घटती घटना

सत्य के साथ...जनहित में बात...

www.ghatatighatana.com अम्बिकापुर,वर्ष 22, अंक - 151- शुक्रवार 03- अप्रैल 2026,पृष्ठ - 8 मूल्य 2 रूपये RNI Reg.No.- CHHHIN/2004/15050,डाक पंजीयन. क्रं. 13/Surguja DN/ 2026-2028

पीएम मोदी ने कर्मयोगी साधना सप्ताह में बताया भविष्य का विजन

'विकसित भारत' के लक्ष्य के लिए पब्लिक सर्विस का निरंतर अपडेट जरूरी : पीएम मोदी

नई दिल्ली,02 अप्रैल 2026। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने गुरुवार को 'कर्मयोगी साधना सप्ताह' के अवसर पर कहा कि तेजी से बदलती दुनिया के साथ कदम मिलाने के लिए देश की पब्लिक सर्विस को लगातार अपडेट करना अनिवार्य है। उन्होंने जोर देकर कहा कि 'विकसित भारत' के लक्ष्य को हासिल करने में सक्षम, संवेदनशील और आधुनिक प्रशासनिक तंत्र की अहम भूमिका होगी। प्रधानमंत्री ने वीडियो संदेश के माध्यम से अपने संबोधन में कहा कि 21वीं सदी में वैश्विक व्यवस्थाएं तेजी से बदल रही हैं और भारत भी उसी गति से आगे बढ़ रहा है। ऐसे में प्रशासनिक तंत्र को समयानुकूल बनाना जरूरी है। उन्होंने कहा कि कर्मयोगी साधना सप्ताह इसी दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है, जो सरकारी कर्मचारियों की क्षमता और कार्यशैली को बेहतर बनाने पर केंद्रित है। उन्होंने कहा कि वर्तमान शासन व्यवस्था का मूल मंत्र 'नागरिक देवो भव' है, जिसका अर्थ है कि नागरिक सर्वोपरि हैं। इस सोच के साथ सरकार सार्वजनिक सेवाओं को अधिक सक्षम और नागरिकों के प्रति अधिक संवेदनशील बनाने पर काम कर रही है। प्रधानमंत्री ने कहा कि आज का भारत एक आकांक्षी समाज है,जहां हर नागरिक के अपने सपने और लक्ष्य हैं। इन सपनों को साकार करने के लिए सरकार और प्रशासन की जिम्मेदारी है कि वे हर संभव सहायता प्रदान करें। उन्होंने कहा कि गवर्नेंस की सफलता का वास्तविक पैमाना यह होना चाहिए कि नागरिकों की 'ईज ऑफ लिविंग' और 'क्वालिटी ऑफ लाइफ' में लगातार सुधार हो। उन्होंने अधिकारियों और कर्मचारियों से आह्वान किया कि वे प्रतिदिन कुछ नया सीखने की आदत विकसित करें और खुद को एक सच्चे 'कर्मयोगी' के रूप में ढालें। उन्होंने कहा कि निरंतर सीखने और आत्म-विकास से ही प्रशासनिक तंत्र मजबूत होगा और बेहतर परिणाम सामने आएंगे। प्रशासनिक सुधारों की चर्चा करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि पहले व्यवस्था में 'अधिकारी' होने पर ज्यादा जोर दिया जाता था,लेकिन अब समय 'कर्तव्य भावना' को प्राथमिकता देने का है। उन्होंने कहा कि हर निर्णय लेने से पहले यदि अधिकारी अपने कर्तव्य के बारे में सोचेंगे,तो उसके परिणाम स्वतः ही अधिक प्रभावी होंगे और समाज पर सकारात्मक असर पड़ेगा। संघीय ढांचे का उल्लेख करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि देश की सफलता राज्यों की सामूहिक सफलता पर निर्भर करती है। उन्होंने कहा कि अब 'अग्रणी','पिछड़े' या 'बीमारू' राज्यों जैसी पुरानी श्रेणियों से आगे बढ़ते हुए सभी राज्यों के बीच अंतर को खत्म करने की दिशा में काम करना होगा। उन्होंने कहा कि इसके लिए 'साइलो' सोच को खत्म करना होगा और बेहतर समन्वय तथा साझा समझ के साथ काम करना होगा। उन्होंने 'होल-ऑफ-गवर्नमेंट' दृष्टिकोण अपनाने की जरूरत पर बल देते हुए कहा कि इससे सभी सरकारी मिशनों को सफलता मिलेगी। प्रधानमंत्री ने क्षमता निर्माण आयोग (सीबीसी) के स्थापना दिवस पर बधाई देते हुए कहा कि यह संस्था सरकारी कर्मचारियों की क्षमता बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है।

2047 तक भारत को एक विकसित राष्ट्र बनाने का लक्ष्य

प्रधानमंत्री ने कहा कि पुराने समय में सरकारी अधिकारी बनने पर केवल अधिकारों की बात होती थी। लेकिन आज के दौर में सरकार का पूरा जोर कर्तव्य पर है। उन्होंने कहा कि हमारा लक्ष्य साल 2047 तक भारत को एक विकसित राष्ट्र बनाना है। इसके लिए हमें आर्थिक विकास को तेज करना होगा और एक कुशल वर्कफोर्स तैयार करनी होगी। मिशन कर्मयोगी के माध्यम से हम सक्षम टीम तैयार कर रहे हैं जो देश के विकास में अपनी ताकत झोंक सके। प्रधानमंत्री ने शासन और प्रशासन में तकनीक के महत्व पर विशेष चर्चा की। उन्होंने कहा कि आज के समय में तकनीक के बिना शासन चलाना संभव नहीं है। अर्थव्यवस्था से लेकर सरकारी योजनाओं के वितरण तक में तकनीकी क्रांति दिख रही है। अब एआई यानी आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के आने से ये बदलाव और भी तेजी से होंगे। पीएम मोदी ने कहा कि सरकारी सेवा में तकनीक का उपयोग करना अब अनिवार्य हिस्सा बन गया है।

पश्चिम एशिया में जारी जंग के बीच बड़ी राहत...

सरकार ने पेट्रोकेमिकल उत्पादों को किया ड्यूटी फ्री

नई दिल्ली,02 अप्रैल 2026। केंद्र सरकार ने पश्चिम एशिया में जारी जंग के बीच पेट्रोकेमिकल उत्पादों का मुख्य रॉ मटेरियल के रूप में इस्तेमाल करने वाले उद्योगों को बड़ी राहत देने का ऐलान किया है। इसके तहत केंद्र सरकार ने 40 प्रमुख पेट्रोकेमिकल उत्पादन से अगले तीन महीने तक के लिए पूरी तरह से कस्टम ड्यूटी हटाने की घोषणा की है। केंद्र सरकार के इस कदम का उद्देश्य कच्चे माल की कीमत में होने वाली बेतहाशा वृद्धि से भारतीय मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर को सुरक्षित रखना है। अमेरिका-इजराइल तथा ईरान के बीच जारी जंग के दौरान केंद्र सरकार द्वारा लिए गए इस फैसले से फार्मास्यूटिकल,ऑटो कॉम्पोनेंट्स,प्लास्टिक, टेक्सटाइल,पैकेजिंग और केमिकल मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर में काम कर रहे उद्योगों को काफी फायदा होगा। कस्टम ड्यूटी हटाने से इन उद्योगों की उत्पादन लागत में गिरावट आएगी और आम आदमी को महंगाई के बोझ से कुछ हद तक राहत मिल सकेगा। इस संबंध में उपलब्ध कराई गई जानकारी के अनुसार इंडस्ट्रियल रॉ मटेरियल के रूप में एसिटिक एसिड, एपॉक्सी रेजिन,प्यूरीफाइड टैरेफ्थैलिक एसिड, मेथेनॉल, फिनोल, टॉल्यून,एनहाइड्रस अमोनिया, एथिलीन पॉलीमर्स और कई तरह के फॉर्मल्डिहाइड पर लगने वाले कस्टम ड्यूटी को 30 जून तक के लिए पूरी तरह से खत्म कर दिया गया है। उल्लेखनीय है कि केंद्र सरकार ने इन अहम पेट्रोकेमिकल उत्पादों के इंपोर्ट से कस्टम ड्यूटी हटाने का फैसला ऐसे समय में लिया है, जब पश्चिमी एशिया में जियो-पॉलिटिकल टेंशन चरम पर पहुंचा हुआ है। इस टेंशन का असर दुनिया भर में अहम पेट्रोकेमिकल कच्चे माल की उपलब्धता पर पड़ना शुरू हो गया है। अमेरिका और इजराइल तथा ईरान के बीच चल रही लड़ाई के चलते वैश्विक सप्लाई चेन को भी झटका लगा है,जिसकी वजह से इन उत्पादों की कीमत में भी तेजी आने लगी है। ऐसे में कस्टम ड्यूटी हटा कर केंद्र सरकार भारतीय उद्योगों के लिए आवश्यक कच्चे माल की लगातार सप्लाई सुनिश्चित करना चाहती है। इस संबंध में बताया गया है कि कस्टम ड्यूटी में इस छूट का उद्देश्य सप्लाई को बनाए रखने और वैल्यू चेन में कीमतों में बढ़ोतरी को रोकना है। इस कदम से केंद्र सरकार को यह उम्मीद भी है कि एंड कंज्यूमर्स के लिए कीमतों में स्थिरता आएगी, क्योंकि कच्चे माल की लागत में कमी से कंपनियों को उपभोक्ताओं पर बढ़ी हुई कीमतें का दबाव नहीं डालना पड़ेगा।

पश्चिम बंगाल में 7 इलेक्शन ऑब्जर्वर बंधक,सुप्रीम कोर्ट नाराज कहा...हमें पता है उपद्रवी कौन

कोलकाता,02 अप्रैल 2026। सुप्रीम कोर्ट ने पश्चिम बंगाल के मालदा जिले में एसआईआर से जुड़े 7 इलेक्शन ऑब्जर्वर को बंधक बनाए जाने की घटना पर नाराजगी जताई। कोर्ट ने कहा...उन्हें नौ घंटे बंधक बनाकर रखा। खाना-पानी तक नहीं मिला। यह घटना सोची-समझी और भड़काऊ लगती है। हमें पता है उपद्रवी कौन हैं, इनका मकसद न्यायिक अधिकारियों का मनोबल गिराना और चुनावी प्रक्रिया को बाधित करना है। सीजेआई सूर्यकांत और जस्टिस जॉयमाल्या बागची और जस्टिस विपुल एम पंचोली की बेंच ने कहा कि राज्य में कानून-व्यवस्था ढह गई है। बेंच ने राज्य के गृह सचिव, डीजीपी और अन्य अधिकारियों से उनकी निष्क्रियता पर जवाब मांगा। दरअसल, 7 न्यायिक अधिकारी बुधवार को मालदा के बीडीओ ऑफिस पहुंचे थे। इनमें तीन महिलाएं थीं। तभी वोटर लिस्ट में नाम कटने के विरोध में हजारों लोगों ने ऑफिस को घेर लिया। मालदा में लगातार दूसरे दिन भी विरोध प्रदर्शन हो रहा है। गुरुवार को नारायणपुर स्थित ब्लॉक कैंप के सामने भीड़ इकट्ठा हो गई। लोगों ने नेशनल हाईवे-12 को जाम कर दिया। सड़क पर टायरों में आग लगा दी गई।

आम आदमी पार्टी ने राघव चड्ढा को राज्यसभा उपनेता पद से हटाया

नई दिल्ली,02 अप्रैल 2026। आम आदमी पार्टी ने गुरुवार को सांसद राघव चड्ढा को राज्यसभा के उपनेता पद से हटा दिया है। उनकी जगह यह पोस्ट राज्यसभा सांसद अशोक मित्तल दे दी है। पार्टी ने राज्यसभा सचिवालय को पत्र लिखकर यह जानकारी दी। लेटर में कहा कि सदन में पार्टी की तरफ से बोलने का समय न दिया जाए। राघव 2022 से पंजाब से राज्यसभा सांसद हैं। उनका कार्यकाल 2028 तक है। पार्टी ने इस फैसले की वजह नहीं बताई है। हालांकि,उन्होंने लंबे समय से पार्टी से दूरी बना ली थी और आम आदमी पार्टी को लेकर कोई बयान नहीं दे रहे हैं। 27 फरवरी को जब एक निचली अदालत से अरविंद केजरीवाल को दिल्ली शराब नीति मामले में राहत मिली,तब भी उन्होंने कोई बयान नहीं दिया था। राज्यसभा में भी वे गिग वर्कर्स और स्कूल फीस जैसे उठा रहे थे। अशोक मित्तल भी पंजाब से आम आदमी पार्टी के राज्यसभा सांसद हैं। वे जालंधर के रहने वाले हैं। पंजाब की लवली प्रोफेशनल यूनिवर्सिटी के फाउंडर और चांसलर हैं। 2022 में राज्यसभा सांसद बने थे। राजनीति में आने से पहले वह कामयाब बिजनेसमैन रहे हैं। उनका परिवार 'लवली ग्रुप' का मालिक है, जो ऑटोमोबाइल और मिठाई (लवली स्वीट्स) के व्यवसाय से जुड़ा है।

मालदा में न्यायिक अधिकारियों के उत्पीड़न के पीछे भाजपा-चुनाव आयोग की साजिश : ममता

कोलकाता,02 अप्रैल 2026। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री और तृणमूल कांग्रेस प्रमुख ममता बनर्जी ने गुरुवार को आरोप लगाया कि मालदा जिले के कालियाचक में सात न्यायिक अधिकारियों के साथ हुई बदसलूकी भारतीय जनता पार्टी और भारत निर्वाचन आयोग की 'संयुक्त साजिश' का हिस्सा है, जिसका उद्देश्य राज्य में राष्ट्रपति शासन लागू करने का रास्ता तैयार करना है। मुर्शिदाबाद जिले के सागरदिघी में एक चुनावी सभा को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि न्यायिक अधिकारियों की सुरक्षा सुनिश्चित करना निर्वाचन आयोग की जिम्मेदारी थी। उन्होंने कहा कि आदर्श आचार संहिता लागू होने के कारण राज्य प्रशासन पर उनका सीधा नियंत्रण नहीं है, लेकिन चुनाव आयोग सुरक्षा देने में विफल रहा। उन्होंने लोगों से शांति बनाए रखने की अपील की। ममता बनर्जी ने कहा कि जिन लोगों के नाम न्यायिक निर्णय प्रक्रिया के दौरान मतदाता सूची से हटाए गए हैं, उनकी शिकायतें वास्तविक हो सकती हैं, लेकिन किसी भी उकसावे में नहीं आना चाहिए। उन्होंने कहा कि पश्चिम बंगाल की छवि को नुकसान पहुंचाने और चुनाव प्रक्रिया को बाधित करने की कोशिश की जा रही है।

राहुल गांधी ने असम के लिए जारी किया कांग्रेस का घोषणापत्र,11 क्षेत्रों पर फोकस

हिमंत 'सबसे भ्रष्ट मुख्यमंत्री' मोदी,शाह के साथ मिलकर असम में 'लैंड एटीएम' चला रहे : राहुल गांधी

असम,02 अप्रैल 2026। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा को भारत का ''सबसे भ्रष्ट मुख्यमंत्री'' बताते हुए गुरुवार को आरोप लगाया कि सरमा, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के साथ मिलकर राज्य में ''लैंड एटीएम'' चला रहे हैं और आम लोगों से जमीन छीनकर बड़े उद्योगपतियों को दे रहे हैं। बोकाजान विधानसभा क्षेत्र में पार्टी उम्मीदवार रतन इंगती के समर्थन में एक चुनावी रैली को संबोधित करते हुए उन्होंने यह भी कहा कि लोकप्रिय गायक जुबिन गर्ग असम और उसके लोगों के लिए खड़े थे और कांग्रेस पार्टी राज्य में सत्ता में आने के 100 दिनों के भीतर उनकी मौत के मामले में न्याय दिलाएगी। राहुल ने कहा, ''भारत के सबसे भ्रष्ट मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा हैं और उनका परिवार भी भ्रष्टाचार के मामले में पहले नंबर पर है। कांग्रेस सरकार उनके खिलाफ कार्रवाई करेगी। अभी वह चाहे जितनी डींगें मार लें, उसके बाद वह पूरी तरह चुप हो जाएंगे।'' लोकसभा में विपक्ष के नेता ने दावा किया कि असम में तीन बड़े कॉरपोरेट घरानों को कुल 98,400 बीघा जमीन सौंप दी गई है। उन्होंने कहा, ''ये जमीनें जनता से छीनी गई हैं। नरेंद्र मोदी, अमित शाह और हिमंत बिस्वा सरमा ने असम में एक 'लैंड एटीएम' बना दिया है। वे लोगों से जमीन छीनते हैं और बड़े उद्योगपतियों को दे देते हैं।'' प्रसिद्ध संगीतकार जुबिन गर्ग का जिक्र करते हुए राहुल गांधी ने कहा कि वह पूरे राज्य और उसके लोगों का प्रतिनिधित्व करते थे। गर्ग की पिछले साल सितंबर में सिंगापुर में डूबने से मौत हो गई थी।

कांग्रेस नेता ने कहा, ''वह किसी एक व्यक्ति, एक समुदाय, एक भाषा या एक इतिहास के लिए नहीं खड़े थे। वह असम की बहुसांस्कृतिक और बहुधार्मिक परंपरा की भावना को दर्शाते थे। हम सत्ता में आएंगे तो 100 दिनों के भीतर न्याय दिलाएंगे और यह 100 प्रतिशत तय है।'' राहुल ने यह भी कहा कि कांग्रेस विकेंद्रीकरण में विश्वास करती है, जबकि भाजपा असम को दिल्ली से चलाने की कोशिश कर रही है। उन्होंने कहा, ''हम संविधान के अनुच्छेद 244(ए) को पूरी तरह लागू करने का वादा करते हैं। कार्बी आंगलोंग और छठी अनुसूची के सभी क्षेत्रों का शासन स्थानीय लोगों द्वारा किया जाएगा, न कि गुवाहाटी या दिल्ली से।'' भारत-अमेरिका व्यापार समझौते पर कांग्रेस सांसद ने दावा किया कि यह नई दिल्ली के लिए नुकसानदेह है,क्योंकि अमेरिकी वस्तुओं पर कर कम किए गए हैं और भारतीय बाजार को उनके लिए खोल दिया गया है। उन्होंने कहा, ''(अमेरिकी राष्ट्रपति) डोनाल्ड ट्रंप, एपस्टीन फाइल्स के कारण नरेन्द्र मोदी को नियंत्रित करते हैं। ट्रंप ने अमेरिका में अदाणी के खिलाफ आपराधिक मामले भी दर्ज किए थे।''

कांग्रेस का घोषणा-पत्र जारी किया...

कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने गुरुवार को असम विधानसभा चुनाव के लिए पार्टी का घोषणापत्र जारी किया, जिसमें शासन और स्वास्थ्य सेवा जैसे 11 क्षेत्रों पर ध्यान केंद्रित किया गया है। यहां एक चुनावी रैली में राहुल गांधी,कांग्रेस की असम इकाई के अध्यक्ष गौरव गोगोई और अन्य वरिष्ठ नेताओं ने पार्टी का घोषणापत्र जारी किया। घोषणापत्र के 11 संकल्पों में शासन, पहचान,स्वास्थ्य सेवा,अवसंरचना विकास,औद्योगीकरण,कृषि,ग्रामीण और शहरी विकास, जलवायु परिवर्तन और सुरक्षित असम जैसे क्षेत्रों पर ध्यान केंद्रित किया गया है। इससे पहले, कांग्रेस ने पार्टी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे की यात्रा के दौरान 29 मार्च को 'पांच गारंटी' जारी की थीं। असम विधानसभा की 126 सीट के लिए मतदान नौ अप्रैल को होगा और मतगणना चार मई को होगी।

भवानीपुर से ममता बनर्जी की हार पूरे बंगाल में परिवर्तन की शुरुआत होगी : अमित शाह

कोलकाता,02 अप्रैल 2026। विधानसभा चुनाव के मद्देनजर पश्चिम बंगाल पहुंचे केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने मुख्यमंत्री ममता बनर्जी और तृणमूल कांग्रेस पर तीखा हमला बोला। उन्होंने कहा कि राज्य की जनता अब परिवर्तन चाहती है और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की सरकार बनाने के लिए तैयार है। उन्होंने दावा किया कि यदि भवानीपुर से भाजपा प्रत्याशी शुभेंदु अधिकारी जीतते हैं तो पूरे बंगाल में सत्ता परिवर्तन का मार्ग प्रशस्त हो जाएगा। भवानीपुर में भाजपा प्रत्याशी शुभेंदु अधिकारी के नामांकन के अवसर पर आयोजित सभा को संबोधित करते हुए अमित शाह ने कहा कि उन्होंने चुनाव से पहले पूरे बंगाल का दौरा किया है और हर जगह लोगों में सरकार बदलने की इच्छा दिखाई दे रही है। उन्होंने आरोप लगाया कि राज्य में तोलाबाजी,भ्रष्टाचार,महिलाओं की असुरक्षा, बेरोजगारी और अवैध घुसपैठ जैसी समस्याओं से लोग परेशान हैं। उन्होंने कहा कि भाजपा की सरकार बनने पर सीमाओं को मजबूत किया जाएगा और अवैध घुसपैठियों की पहचान कर उन्हें देश से बाहर किया जाएगा। उन्होंने यह भी कहा कि नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में जिन राज्यों में भाजपा की सरकार बनी है वहां विकास हुआ है और अब पश्चिम बंगाल की बारी है। अमित शाह ने भवानीपुर के मतदाताओं से विशेष अपील करते हुए कहा कि सामान्यतः कई सीटें जीतने के बाद परिवर्तन होता है, लेकिन इस बार भवानीपुर की एक सीट की जीत भी पूरे राज्य की राजनीति की दिशा बदल सकती है। उन्होंने कहा कि पिछले चुनाव में ममता बनर्जी नंदीग्राम से शुभेंदु अधिकारी से हार चुकी हैं और इस बार उन्हें भवानीपुर में भी हार का सामना करना पड़ेगा। उन्होंने मतदाताओं से निर्भय होकर मतदान करने की अपील करते हुए कहा कि इस बार कोई भी मतदाताओं को वोट देने से नहीं रोक पाएगा। उन्होंने भाजपा कार्यकर्ताओं की हत्या के आरोपों का भी उल्लेख करते हुए दोषियों को सजा दिलाने की बात कही। अपने संबोधन में उन्होंने स्वामी विवेकानंद,रवींद्रनाथ ठाकुर, बंकिम चंद्र चट्टोपाध्याय और श्यामा प्रसाद मुखर्जी के आदर्शों का उल्लेख करते हुए पश्चिम बंगाल को सोनार बांग्ला बनाने का संकल्प दोहराया। सभा के अंत में केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने भाजपा के सभी प्रत्याशियों की जीत की कामना करते हुए जनता से भारी मतों से समर्थन देने की अपील की।

आई-पैक के ठिकानों पर ईडी की 'सर्जिकल स्ट्राइक', बंगाल कोयला घोटाले की आंच में झुलसे चुनावी रणनीतिकार!

नई दिल्ली,02 अप्रैल 2026। प्रवर्तन निदेशालय ने एक बड़ी कार्रवाई को अंजाम देते हुए राजनीतिक परामर्शदाता कंपनी आई-पैक के दिल्ली,बेंगलुरु और हैदराबाद स्थित विभिन्न परिसरों पर एक साथ छापेमारी की है। आधिकारिक सूत्रों के अनुसार, इस व्यापक तलाशी अभियान का सीधा संबंध पश्चिम बंगाल के बहुचर्चित कोयला घोटाले से बताया जा रहा है। जांच एजेंसी उन वित्तीय कड़ियों को जोड़ने की कोशिश कर रही है, जो राजनीतिक रणनीतियों और अवैध धन के प्रवाह के बीच संदिग्ध रूप से मौजूद हो सकती हैं। एक साथ तीन बड़े शहरों में हुई इस कार्रवाई ने न केवल कॉरपोरेट जगत बल्कि राजनीतिक गलियारों में भी हलचल पैदा कर दी है। इस छापेमारी के दौरान ईडी के अधिकारियों ने विशेष रूप से बेंगलुरु में ऋषिराज सिंह के ठिकानों पर अपना ध्यान केंद्रित किया। ऋषिराज सिंह आई-पैक के प्रमुख चेहरों में से एक माने जाते हैं। जांच एजेंसी उनके आवास और कार्यालय से महत्वपूर्ण डिजिटल साक्ष्य और दस्तावेज़ जुटाने की प्रक्रिया में है। ईडी के अधिकारियों का कहना है कि यह तलाशी अभियान उस व्यापक जांच का हिस्सा है।

महिला आरक्षण पर संसद में 16 अप्रैल से चर्चा...लोकसभा की सीटें 543 से 816 की जा सकती हैं

नई दिल्ली,02 अप्रैल 2026। संसद के बजट सत्र का 3 दिन का सेशन 16 से 18 अप्रैल को होगा। सरकार ने बजट सत्र को आगे बढ़ाने का निर्णय लिया है। अब राज्यसभा और लोकसभा 13 दिन के ब्रेक के बाद 16 अप्रैल को सुबह 11 बजे फिर से बैठेंगी। इसमें महिला आरक्षण कानून में संशोधन से जुड़े अहम बिल पर चर्चा की जाएगी। सरकार लोकसभा सीटों की संख्या बढ़ाने के लिए संशोधन विधेयक लाने की योजना बना रही है। वर्तमान में लोकसभा में 543 सीटें हैं। प्रस्तावित 50% की बढ़ोतरी के साथ सीटों की संख्या बढ़कर 816 हो जाएगी, जिसमें से 273 (करीब एक तिहाई) सीटें महिलाओं के लिए आरक्षित होंगी। सरकार का मकसद 'नारी शक्ति वंदन अधिनियम' में संशोधन करना है। इसके जरिए महिलाओं के लिए तय कोटे को परिसीमन प्रक्रिया से अलग करना है। 'नारी शक्ति वंदन अधिनियम' साल 2023 में पारित किया गया था। झारखंड से बीजेपी सांसद आदित्य प्रसाद ने सदन में बच्चों की बलि से जुड़ी घटनाओं का मुद्दा उठाया। उन्होंने कहा कि झारखंड में एक 13 साल की लड़की की उसकी मां ने बलि के नाम पर हत्या कर दी,जो बेहद दुर्भाग्यपूर्ण है।

आंध्र प्रदेश पुनर्गठन (संशोधन) विधेयक, 2026 संसद से पारित

राज्यसभा ने गुरुवार को आंध्र प्रदेश पुनर्गठन (संशोधन) विधेयक, 2026 को ध्वनि मत से मंजूरी दी। इसी के साथ विधेयक पर संसद के दोनों सदनों की मुहर लग गई। बुधवार को लोकसभा ने इसे पारित किया था। इस विधेयक के पारित होने के बाद अब आधिकारिक रूप से अमरावती को आंध्र प्रदेश की एकमात्र और स्थायी राजधानी के रूप में मान्यता देता है। यह ऐतिहासिक निर्णय 2014 के पुनर्गठन अधिनियम में संशोधन करता है, जिसका उद्देश्य राजधानी के मुद्दे पर चल रही अनिश्चितता को समाप्त करना और 2 जून 2024 से अमरावती को राजधानी के रूप में वैधानिक दर्जा देना है।

संपादकीय

परस्पर निर्भर भारत और खाड़ी देश

पाकिस्तान ईरान युद्ध को अपना कद बढ़ाने के मौके के रूप में देख रहा है,पर वह हमेशा की तरह एक मोहरे के रूप में ही इस्तेमाल होगा... शायद यही उसकी नियति भी है...

संयुक्त अरब अमीरात यानी यूएई के राष्ट्रपति रहे शेख जायद बिन मोहम्मद के निमंत्रण पर मई 1981 में भारतीय प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी ने इस खाड़ी देश का दौरा किया था। करीब 45 वर्ष पहले हुई इस मुलाकात में दोनों नेताओं ने सहमति जताई थी कि खाड़ी क्षेत्र और भारत की सुरक्षा एवं कल्याण की कड़ियां आपस में जुड़ी हुई हैं। समय के साथ यह धारणा और मजबूत ही हुई कि दोनों क्षेत्रों की सुरक्षा और समग्र कल्याण परस्पर निर्भर हैं। एक ऐसे समय जब ईरान युद्ध के चलते समूचे क्षेत्र में अशांति बढ़ने से पूरे समीकरण बदल गए हैं तो यह विचार और प्रासंगिक हो गया है।

अरब प्रायद्वीप में सऊदी अरब,कुवैत,बहरीन,कतर,यूएई और ओमान जैसे छह प्रमुख देश हैं। यहां दक्षिण एशियाई देशों की बड़ी प्रवासी जनसंख्या रहती है। इनमें से भी सबसे बड़ी संख्या भारतीयों की है,जिनकी तादाद नब्बे लाख से एक करोड़ के बीच है। पाकिस्तानियों और बांग्लादेशियों की संख्या भी पचास लाख से अधिक है। नेपाल और श्रीलंका के भी लाखों लोग यहां हैं। ये लोग इन देशों की अर्थव्यवस्था में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। ये लोग पेशेवर,कार्यकारी और प्रबंधकीय से लेकर अर्धकुशल और सामान्य श्रमिक जैसी भूमिकाओं में सक्रिय हैं। यह कहना एकदम सही होगा कि भले ही खाड़ी देशों में यूरोपीय प्रवासी भी रहते हों, लेकिन उनका काम दक्षिण एशियाई विशेष रूप से भारतीयों के बिना नहीं चल सकता।

काम से जुड़ा भारतीयों का कौशल और भरोसा उन्हें इन देशों में व्यापक रूप से स्वीकार्य बनाता है। जितना खाड़ी के देशों को प्रवासियों की आवश्यकता है, उतनी ही उन्हें भी है,क्योंकि वे अपने देश को भारी मात्रा में धनराशि भेजते हैं। रेमिटेंस कही जाने वाली यह धनराशि इन देशों के वृहद आर्थिक स्थायित्व में संतुलन की भूमिका और बाहरी झटकों से बचाने में उपयोगी होती है। भारत के चालू खाते के लिए यह राशि बड़ा योगदान देती है,लेकिन मौजूदा हालात में पाकिस्तान के लिए यह अस्तित्व का संकट पैदा कर सकती है, क्योंकि उसकी अर्थव्यवस्था पहले से ही नाजुक बनी हुई है। राजनीतिक उथल-पुथल से प्रभावित बांग्लादेश के लिए भी रेमिटेंस की अहमियत कहीं ज्यादा बढ़ गई है। वृहद आर्थिक स्थिरता के अलावा खाड़ी देशों में कार्यरत लोगों द्वारा भेजे जाने वाला रेमिटेंस उनके स्वजनों के लिए भी बहुत आवश्यक है,क्योंकि अधिकांश परिवारों की योजनाएं इसी भेजी गई राशि के आधार पर टिकी होती हैं। उसके अभाव में उनके परिवारों का भविष्य अधर में भी लटक सकता है।

रेमिटेंस के अलावा खाड़ी देश भारत की ऊर्जा सुरक्षा के लिए भी बहुत महत्वपूर्ण हैं। पाकिस्तान और अन्य दक्षिण एशियाई देशों के लिए तो खाड़ी देशों की महत्ता और भी अधिक है। ऐसा इसलिए,क्योंकि भारत कच्चे तेल और गैस की आवश्यकताओं का आधे से अधिक हिस्सा इन देशों से आयात करता है, लेकिन उसने अमेरिका और यूरोपीय देशों जैसे अन्य स्रोतों से भी तेल आयात को विविधीकृत किया है। ये कुछ महंगे होंगे,लेकिन कम से कम उनकी उपलब्धता तो रहेगी। होर्मुज जलमार्ग के बाधित होने से बाकी दुनिया के साथ ही दक्षिण एशियाई देशों की समस्याएं भी बढ़ी हैं। पाकिस्तान के लिए समस्या यह है कि उसे सऊदी अरब और यूएई से क्रेडिट यानी बाद में भुगतान के साथ भी तेल मिलता है, जो वह अन्य देशों से प्राप्त नहीं कर सकता। इसके चलते भुगतान की स्थिति में पहले से ही आर्थिक मुश्किलों से जूझ रही पाकिस्तानी अर्थव्यवस्था पर दबाव और बढ़ेगा।

विवाह संस्था और व्यक्तिगत स्वतंत्रता के बीच नई खाई

ललित गर्ग
पटपड़गंज,नई दिल्ली

आधुनिकता के संक्रमण कालीन दौर में सबसे अधिक यदि कोई संस्था प्रश्नों के घेरे में है,तो वह विवाह और रिश्तों की पारंपरिक अवधारणा है...बदलती जीवनशैली,आर्थिक आत्मनिर्भरता,तकनीक ,वैश्वीकरण और व्यक्तिगत स्वतंत्रता की बढ़ती चेतना ने रिश्तों की परिभाषा,अपेक्षाएँ और संरचना-सब कुछ बदल दिया है...यही कारण है कि आज रिश्तों से जुड़े प्रश्न केवल सामाजिक विमर्श का विषय नहीं रहे,बल्कि अदालतों तक पहुँच रहे हैं...

हाल ही में इलाहाबाद उच्च न्यायालय के दो फैसलों ने व्यक्तिगत स्वतंत्रता और विवाह संस्था के बीच उत्पन्न हो रही नाजुक खाई को उजागर किया है। एक निर्णय में न्यायालय ने कहा कि वयस्कों के बीच आपसी सहमति से बना लिव-इन रिलेशनशिप,भले ही एक साथी विवाहित हो,अपराध नहीं है; वहीं दूसरे मामले में न्यायालय ने ऐसे ही एक जोड़े को संरक्षण देने से इनकार कर दिया और कहा कि व्यक्तिगत स्वतंत्रता के नाम पर पति या पत्नी के कानूनी अधिकारों को कमजोर नहीं किया जा सकता। यह विरोधाभास वास्तव में न्यायिक असंगति से अधिक एक कानूनी रिक्तता और सामाजिक संक्रमण का संकेत है। वास्तव में एक हकीकत यह भी है कि भारतीय समाज में वैवाहिक अधिकारों और व्यक्तिगत स्वतंत्रता के बीच संतुलन बनाने वाले एक प्रभावी ढांचे की लंबे समय से आवश्यकता महसूस की जाती रही है। हमें मौजूदा परिदृश्य में यह बात स्वीकार करनी होगी कि यद्यपि विवाह संस्था संरक्षण की हकदार है, फिर भी पुरुष या स्त्री की व्यक्तिगत स्वतंत्रता को अनिश्चित काल तक इसके अधीन बंधक बनाकर नहीं रखा जा सकता है।

निश्चित ही भारतीय संविधान का अनुच्छेद 21 प्रत्येक व्यक्ति को जीवन और व्यक्तिगत स्वतंत्रता का अधिकार देता है और इसी के दायरे में न्यायालयों ने समय-समय पर लिव-इन रिलेशनशिप को अपराध की श्रेणी से बाहर माना है। लेकिन दूसरी ओर,भारतीय कानून विवाह को एक कानूनी और सामाजिक संस्था के रूप में सर्वोच्च प्राथमिकता देता है, जिसमें अधिकार और दायित्व दोनों शामिल हैं। यही वह बिंदु है जहाँ व्यक्तिगत स्वतंत्रता और वैवाहिक अधिकारों के बीच टकराव उत्पन्न होता है। न्यायालय लिव-इन संबंधों को अपराध नहीं मानता,परंतु उनके सभी परिणामों को वैध मानने में संकोच करता है। यह स्थिति न केवल कानूनी भ्रम उत्पन्न करती है,बल्कि सामाजिक असुरक्षा भी पैदा करती है। वास्तव में समस्या न्यायिक निर्णयों की नहीं,बल्कि स्पष्ट विधायी ढाँचे की कमी की है। यदि व्यापक सामाजिक परिप्रेक्ष्य में देखें तो भारतीय समाज इस समय एक बे` संक्रमणकाल से गुजर रहा है। एक ओर सदियों से स्थापित पारंपरिक जीवन मूल्य हैं, जिनमें विवाह केवल एक अनुबंध नहीं बल्कि एक संस्कार,सामाजिक स्वीकृति और पारिवारिक व्यवस्था का

आधार है; दूसरी ओर आधुनिक जीवन की वास्तविकता है, जहाँ व्यक्ति की स्वतंत्रता,आत्म-विकास,करियर,आर्थिक स्वायत्तता और व्यक्तिगत संतुष्टि को भी समान महत्व दिया जा रहा है। विशेष रूप से महिलाओं की आर्थिक आत्मनिर्भरता ने रिश्तों की शक्ति-संतुलन व्यवस्था को बदल दिया है। अब रिश्ते केवल सामाजिक दबाव से नहीं, बल्कि आपसी समझ और संतुष्टि के आधार पर टिके रहते हैं। परिणामस्वरूप, रिश्तों की स्थायित्व की अवधारणा बदल रही है और प्रतिबद्धता अब आजीवन वचन से अधिक एक निरंतर पुनर्मूल्यांकन की प्रक्रिया बनती जा रही है।

पिछली पीढ़ियों में विवाह जीवन का अनिवार्य चरण माना जाता था। हमारे माता-पिता और दादा-दादी के लिए विवाह केवल दो व्यक्तियों का नहीं, बल्कि दो परिवारों का संबंध था और जीवन भर साथ निभाना ही उसका लक्ष्य था। लेकिन आधुनिक पीढ़ी रिश्तों को अलग दृष्टि से देख रही है। आज के युवा पहले शिक्षा,करियर और आर्थिक स्थिरता को प्राथमिकता देते हैं,उसके बाद रिश्तों के बारे में निर्णय लेते हैं। कुछ लोग विवाह से पहले साथ रहने का विकल्प चुनते हैं,कुछ रिश्तों को नाम देने से भी बचते हैं और कुछ लोग विवाह के बजाय साझेदारी को अधिक उपयुक्त मानते हैं। इसका अर्थ यह नहीं कि आधुनिक पीढ़ी रिश्तों को महत्व नहीं देती,बल्कि इसका अर्थ यह है कि वे रिश्तों में स्वतंत्रता, सम्मान,संवाद और समानता को अधिक महत्व देते हैं। रिश्तों में सबसे बड़ा परिवर्तन लिंग भूमिकाओं के बदलाव से भी आया है। पहले पुरुष कमाने वाला और महिला घर संभालने वाली मानी जाती थी,लेकिन आज दोनों काम करते हैं,दोनों निर्णय लेते हैं और दोनों भावनात्मक सहयोग चाहते हैं। आधुनिक रिश्तों में समानता,खुलकर संवाद और साझा जिम्मेदारियों पर जोर है। हालांकि पुरुष और महिलाओं की अपेक्षाएँ पूरी तरह समान नहीं होतीं-अक्सर महिलाएँ भावनात्मक सहयोग और संवाद को अधिक महत्व देती हैं,जबकि पुरुष स्वतंत्रता और बौद्धिक जुड़ाव को महत्वपूर्ण मानते हैं लेकिन इन अंतरों को समझकर ही मजबूत रिश्ते बनाए जा सकते हैं।

आज आत्म-प्रेम और आत्म-देखभाल को स्वार्थ नहीं,बल्कि स्वस्थ जीवन का आधार माना जाने लगा है। तकनीक और सोशल मीडिया ने भी रिश्तों की प्रकृति को गहराई से प्रभावित किया है। सोशल मीडिया ने लोगों को जो ने का काम किया है, लेकिन इसके साथ तुलना की संस्कृति भी बढ़ी है। अब लोग अपने रिश्तों की तुलना दूसरों की ऑनलाइन तस्वीरों और पोस्ट से करने लगे हैं,जिससे असंतोष और अवास्तविक अपेक्षाएँ बढ़ती हैं। कई बार डिजिटल दुनिया में मिलने वाला ध्यान वास्तविक रिश्तों की आत्मीयता को कम कर देता है। ऑनलाइन फ्लर्टिंग,डिजिटल बेवफाई और लगातार उपलब्ध रहने की अपेक्षा जैसी नई समस्याएँ भी सामने आई हैं। इसलिए आज डिजिटल सीमाएँ भी उतनी ही आवश्यक हो गई हैं जितनी व्यक्तिगत सीमाएँ।

ऑनलाइन डेटिंग ने रिश्तों की दुनिया को पूरी तरह बदल दिया है। जीवनसाथी ढूँढना पहले परिवार, समाज या परिचितों के माध्यम से होता था, लेकिन अब मोबाइल एप और वेबसाइटों के माध्यम से लोग साथी ढूँढते हैं। इससे विकल्प बढ़े हैं, लेकिन साथ ही रिश्तों की स्थिरता कम हुई है। स्वाइप संस्कृति ने रिश्तों को कई बार उपभोक्ता वस्तु की तरह बना दिया है, जहाँ विकल्प हमेशा खुले रहते हैं और प्रतिबद्धता कठिन हो जाती है। इसके बावजूद, यह भी सत्य है कि कई सफल विवाह और रिश्ते भी ऑनलाइन माध्यम से ही बने हैं। इसलिए समस्या तकनीक में नहीं,बल्कि उसके उपयोग की मानसिकता में है। आज की तेज रफ्तार दुनिया में रिश्तों को समय देना भी एक बड़ी चुनौती बन गया है। करियर,प्रतिस्पर्धा,आर्थिक दबाव,सोशल मीडिया और व्यक्तिगत महत्वाकांक्षाएँ-इन सबके बीच रिश्ते अक्सर प्राथमिकता सूची में नीचे चले जाते हैं। लेकिन यह भी एक सत्य है कि अंततः मनुष्य को भावनात्मक सहारा,अपनापन और संबंधों की ही आवश्यकता होती है। इसलिए आधुनिक जीवन में रिश्तों को बनाए रखने के लिए संवाद,समय, सम्मान और समझ पहले से कहीं अधिक आवश्यक हो गए हैं।

विभिन्न पीढ़ियों के बीच रिश्तों को लेकर दृष्टिकोण में भी बड़ा अंतर दिखाई देता है। पुरानी पीढ़ी स्थायित्व और त्याग को महत्व देती है,जबकि नई पीढ़ी संतुष्टि और स्वतंत्रता को। पुरानी पीढ़ी रिश्ते बचाने के लिए समझौता करती थी, नई पीढ़ी रिश्ते में सम्मान और खुशी नहीं मिलने पर उसे छोड़ने का साहस रखती है। दोनों दृष्टिकोणों में अपनी-अपनी सच्चाई है। इसलिए आवश्यकता पीढ़ियों के संघर्ष की नहीं,बल्कि संवाद और समझ की है। वास्तव में विवाह बनाम स्वतंत्रता का प्रश्न किसी एक पक्ष की जीत या हार का प्रश्न नहीं है। यह समाज के विकास और परिवर्तन का स्वाभाविक चरण है। विवाह संस्था समाज के लिए आवश्यक है, क्योंकि वह स्थिरता, परिवार और सामाजिक व्यवस्था का आधार है। लेकिन व्यक्तिगत स्वतंत्रता भी उतनी ही आवश्यक है,क्योंकि बिना स्वतंत्रता के कोई भी रिश्ता केवल बंधन बन जाता है। इसलिए आवश्यकता इस बात की है कि कानून, समाज और परिवार-तीनों मिलकर ऐसा संतुलन बनाएं,जिसमें विवाह संस्था भी सुरक्षित रहे और व्यक्ति की स्वतंत्रता भी सुरक्षित रहे। निश्चिततौर पर यह स्वीकार करना होगा कि जब रिश्ते टूट जाते हैं,तो व्यक्तियों को गरिमा के साथ आगे बढ़ने की अनुमति देना समाज के लिए खतरा नहीं है, बल्कि यह सामाजिक व्यवस्था का एक आवश्यक अनुकूलन है। दुनिया तेजी से बदल रही है,संस्कृतियाँ एक-दूसरे से जुड़ रही हैं और सोच भी बदल रही है। ऐसे समय में हमें परंपरा और आधुनिकता के बीच संघर्ष नहीं,बल्कि समन्वय का मार्ग खोजना होगा। रिश्तों का भविष्य न पूरी तरह परंपरागत होगा,न पूरी तरह आधुनिक, बल्कि दोनों के संतुलन से ही एक नई सामाजिक व्यवस्था का निर्माण होगा, जहाँ विवाह भी सम्मानित होगा और स्वतंत्रता भी सुरक्षित होगी।

खाड़ी युद्ध में कोई नहीं जीता है

संजय गोस्वामी
अणुशक्तिनगर,मुंबई,महाराष्ट्र,

दरअसल खाड़ी युद्ध में कोई नहीं जीता है सब अपनी डफली अपना राग अलाप रहें हैं,इसमें निर्दोष आदमी मारा जा रहा है,अमेरिका-इज़राइल और ईरान युद्ध युद्ध जिस पर दुनिया भर के मीडिया का ध्यान है। सारे चैनल युद्ध पर और खबर जो दिखाई जा रही है उससे शांति नष्ट हो गई है–युद्ध ने इंसानियत के मतलब पर हज़ारों बातचीत शुरू कर दी होती। लेकिन ऐसा नहीं हुआ। मीडिया ने इसे नज़रअंदाज़ करना चुना, जिससे हमें हैरानी हुई कि क्या हमने अपने आस-पास एक अंधा और असंवेदनशील सोशल बबल बना लिया है। ईरान पर अमेरिका-इज़राइल की बमबारी में एक महीने से ज़्यादा समय से,ईरान के शहर मिनाब में 170 से ज़्यादा लड़कियों और टीचरों के अलावा, कई लोग मारे गए हैं। तेहरान ने मरी हुई लड़कियों की फ़ोटो जारी की हैं। उनके दुःखी माता-पिता के वीडियो और फ़ोटो मीडिया और सोशल मीडिया पर शेयर किए गए,लेकिन हममें से कितने लोगों ने उन्हें देखने की परवाह की,ईरान पर अमेरिका-इज़राइल की बमबारी में एक महीने से ज़्यादा समय से,ईरान के शहर मिनाब में 170 से ज़्यादा लड़कियों और टीचरों के अलावा, कई लोग मारे गए हैं। 24 मार्च को, दर्जनों औरतें रोम की सड़कों पर हाथ में हाथ डाले, नंगे पैर मार्च कर रही थीं। ये गाज़ा और इज़राइल की माँएँ थीं। उनके बच्चे या रिश्तेदार हमास की हिंसा और इज़राइल द्वारा लिए गए बदले के शिकार हुए थे। उनका मैसेज ज़ोरदार और साफ़ था: इज़राइल और गाज़ा दोनों के रहने वाले खुद को आदम और हव्वा की औलाद मानते हैं,और उन्हें बस शांति चाहिए। यह मार्च उन लोगों के लिए एक सबक था जो सोचते हैं कि हर इज़राइली गाज़ा को जला देना चाहता है। ये औरतें 25 मार्च को पोप लियो XIV से मिलीं। पोप पहले ही शांति की अपील कर चुके थे। लेकिन क्या उन्होंने इन मांओं के कहने पर अमेरिका या यूरोप से बात की? तब से उनके रिएक्शन की कोई खबर नहीं है। इस युद्ध मेंअमेरिकी सेना, उपकरण और मध्य देश में बेस भी में खो देता हैऔर फिर कहा कि मैं असलऔर ट्रम्प ने देश से कहा युद्ध मेंअमेरिकी जीत गया हैलेकिन वास्तव में, कोई नहीं जीता है,ईरान देश को अब शांति से आपसी तालमेल से इसे खत्म करना चाहिएक्योंकि अमेरिका का युद्ध का इतिहास दूसरे विश्व युद्ध में 1945 में अंत में हिरोशिमा और नागासाकी में

परमाणु बम गिराने तक का है। द्वितीय विश्व युद्ध के अंतिम दिनों में,6 और 9 अगस्त 1945 को संयुक्त राज्य अमेरिका ने जापान के हिरोशिमा और नागासाकी शहरों पर दो परमाणु बम गिराए। इन हवाई बमबारी में 150,000 से 246,000 लोग मारे गए, जिनमें से अधिकांश नागरिक थे। ये परमाणु हथियारों का सशस्त्र संघर्ष में पहला और एकमात्र प्रयोग था। हम बौनों के ज़माने में जी रहे हैं, लीडर्स के नहीं। वर्ल्ड वॉर II से पहले और उसके ठीक बाद दुनिया ने महात्मा गांधी,मार्टिन लूथर किंग और नेल्सन मंडेला जैसे बड़े लोगों को देखा, जिनके कामों,अपीलों और दलीलों का बहुत वज़न था और दुनिया भर में उनकी गूंज सुनाई दी। उन्होंने अपनी जागृति से दुनिया को जगाए रखा और ज़िंदा रखा। उनसे प्रेरित होकर,आम लोगों ने अन्याय के खिलाफ़ मिलकर आवाज़ उठाई। 8 जून, 1972 की बात है। वियतनाम के ट्रांग बांग इलाके में बच्चे अमेरिका के सपोर्ट वाले हमलों से बचने के लिए अपनी सुरक्षा के लिए भाग रहे थे। नौ साल की किम फुक,वियतनाम में युद्ध से हुए भयानक हालात का उदाहरण बन गई, जब उसकी पीठ पर नेपाम के हमले में जलने के बाद, वह बिल्कुल नंगी दौड़ती हुई मारी गई। अमेरिका के युद्ध का इतिहास रहा है भले ही वह बहुत कुछ छोड़ दे। इस युद्ध में अन्त में वह सबसे विनाशक हथियार चला देगा केवल अपना दादागिरी कायम रखने के लिए अभी उसने अपने नए नए हथियार निकाले ही नहीं है ताकि कोई उसकी रिवर्स इंजीनियरिंग ना कर ले वो तो जो बंकर ब्लस्टर बम या टॉमहॉक मिसायल चलाई है वो सब एक्सपायरी के नजदीक होगा इसलिए ईरान में कुछ ऐसे भी बम गिरे हैं जो निष्क्रिय थे ईरान को शान्ति से काम लेना चाहिए क्योंकि
मिसायल या ड्रोन की एक निश्चित संख्या होती है और गिराने वाला भी थक जाता है इसलिए रोक कर रखा उसके लिए यही बहुत है अब सभी आपस में मिलकर शान्ति से इसका उचित समाधान निकाल सके यही बेहतर है लेकिन यहाँ ख़ाड़ी युद्ध में खलीफा बनने की लड़ाई है जो आज से नहीं कई दशक पहले से चल रहा है तभी तो लीबीया के जनरल गद्दाफी और इराक के राष्ट्रपति सद्दाम हुसैन को मार डाला था वो भी एक मुकदमा चलाकर फांसी दे दी गई । अतः युद्ध का परिणाम हमेशा विनाशकारी होता है,जिसमें जान-माल की भारी हानि,आर्थिक मंदी,बुनियादी ढांचे का विनाश और गहरा मानवीय संकट शामिल है। यह न केवल देशों की सीमाओं को बदलता है और राजनीतिक स्थिरता को बाधित करता है,बल्कि पीढ़ियों तक मनोवैज्ञानिक आघात और सामाजिक उथल-पुथल भी छोड़ता है। युद्ध के प्रमुख परिणामों को इन बिंदुओं में समझा जा सकता है। जन-धन की हानि युद्ध में सैनिकों और नागरिकों की भारी मृत्यु होती है,साथ ही संपत्ति,घरों और शहरों का विनाश होता है। आर्थिक मंदी और संकटः युद्धों के कारण व्यापार बाधित होता है,मुद्रास्फीति (महंगाई) बढ़ती है और देशों पर भारी कर्ज का बोझ पड़ता है। ऊर्जा और भोजन की आपूर्ति श्रृंखला टूट जाती है। राजनीतिक और भौगोलिक परिवर्तनः युद्ध के परिणामस्वरूप सरकारें गिर सकती हैं,नए राष्ट्र बन सकते हैं और अंतरराष्ट्रीय संबंध बदल जाते हैं (जैसे, प्रथम विश्व युद्ध के बाद साम्राज्यों का अंत)। शरणार्थी और विस्थापनः युद्ध के कारण लाखों लोग बेघर हो जाते हैं और शरणार्थी बनकर दूसरे देशों में जाने को मजबूर होते हैं। दीर्घकालिक मनोवैज्ञानिक आघात युद्ध न केवल शारीरिक घाव देता है, बल्कि सैनिकों और नागरिकों में पोस्ट-ट्रॉमेटिक स्ट्रेस डिसऑर्डर और मानसिक स्वास्थ्य संबंधी गंभीर समस्याएं छोड़ जाता है। पर्यावरणीय क्षति विस्फोटों और हथियारों के उपयोग से भूमि, जल और पर्यावरण को भारी नुकसान पहुंचता है। भगवान राम और रावण के युद्ध में भगवान राम का संदेश धर्म,न्याय और करुणा की स्थापना करना था,न कि केवल विनाश। उन्होंने रावण को सुधारने का अंतिम अवसर (शांति प्रस्ताव) दिया,जो दर्शाता है कि युद्ध अंतिम विकल्प होना चाहिए।

प्यार या व्यापार

मुस्कान केशरी
मुजफ्फरपुर,बिहार

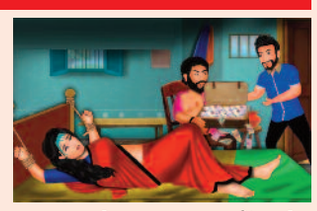

आज-कल के युवा क्या जाने, कि अपने प्यार का इजहार कैसे किया जाता है। क्योंकि आजकल तो प्यार में व्यापार होने लगा है और हाँ,जहां व्यापार होता है वहाँ दो व्यापारी होते, ना की प्रेमी। वो दो व्यापारी सिर्फ अपना-अपना लाभ देखते हैं और दोनों यही सोचते हैं कि कुछ भी हो जाए लेकिन उन्हें नुकसान नहीं होना चाहिए। सोचिए अगर प्यार में व्यापार हो रहा है तो उसे सच्ची मोहब्बत कहेंगे या फिर व्यापारी महोब्बत। यह बात मैं इसलिए कह रही हूं क्योंकि मैंने देखा है कि लोग जरूरत के अनुसार प्यार कर रहे हैं लड़के को अपने दोस्तों को दिखाना है कि मेरे पास गर्लफ्रेंड है इसके लिए वो प्यार के झांसे में एक लड़की को फँसाता है और लड़की को कमी है पैसों की, बाइक की,नए-नए कपड़ों की, मोबाइल की इसलिए उसे एक लड़का चाहिए जो उसकी चाहतों को पूरा कर सके। आज कल ये अच्छा तरीका बन गया है,अपने जरूरत अनुसार प्यार के नाम पर व्यापार करना,शायद ये सबसे सरलता माध्यम है और इस व्यापार को सबसे सरल बनता है हमारा प्यारा फोन, जिसमें रिचार्ज हो और दोनों का टाइम पास हो, तभी तो दोनों का मन लगता है,अब आप बताओं कि प्यार में मन लगाना होता है या फिर प्यार में तड़पना होता है। कभी-कभी तो मैं सच में सोच में डूब जाती हूं कि आजकल के युवा जिसे प्यार समझ रहे हैं। वो सच्चा प्यार नहीं,बल्कि बस एक छल है खैर कुछ सच्ची मोहब्बत भी होती है जिसके बारे में सोच कर काफी अच्छा लगता है। मेरे प्यारे - प्यारे लड़के व लड़कियाँ, सोशल मीडिया या फिर समाज को देखाने के लिए प्यार मत करे और ना ही प्यार के नाम पर व्यापार करें। करना हो अगर महोब्बत तो दिल से करे, सात जन्म साथ रहने के लिए करें।।।

सूचना
समाचार पत्र में छपे समाचार एवं लेखों पर सम्पादक की सहमति आवश्यक नहीं है। हमारा ध्येय तथ्यों के आधार पर सटिक खबरें प्रकाशित करना है न कि किसी की भावनाओं को ठेस पहुंचाना। सभी विवादों का निपटारा अम्बिकापुर न्यायालय के अधीन होगा।
-सम्पादक

प्रिया देवांगन प्रियू,राजिम,गरियाबंद,छत्तीसगढ़

लघुकथा : निःशब्द

बिटिया रानी....! मैं सोच रहा हूँ कि तुम पढ़ाई करती रहो और साहित्य सेवा भी; जिससे हमारी साहित्यसेवा बढ़ती रहे। साहित्य सृजन के जरिये हमारी समाजसेवा भी होगी। मुझे तो अभी और आगे बहुत कुछ करना है। तुम क्या सोचती हो इस बारे में ? क्या तुम सहमत हो मेरे इस बात से ? एक साहित्यकार पिता इंद्रजीत ने रूही के पास अपनी स्नेहपूर्वक बात रखी।
थो ी देर सोचने के बाद रूही बोली- हाँ... हाँ...! पापा क्यों नहीं... ? मुझे आपके साथ अधिक से अधिक समय बिताने को भी मिलेगा; और एक साथ कार्य करने में अच्छा भी लगेगा। रोज अखबारों के पन्नों में बड़े-बड़े अक्षरों में आपके नाम के साथ मेरा भी नाम आएगा। रूही की बातें सुन इंद्रजीत जी हँस पड़े।

रूही मुँह बनाते हुए बोली- पापा ! इसमें हँसने वाली क्या बात है ? हम ऐसा कार्य करेंगे तो हम दोनों का एक साथ नाम नहीं आएगा क्या ?
इंद्रजीत जी बोले- बेटा,एक बात जिंदगी में हमेशा ध्यान रखना कि लोगों को नाम के पीछे नहीं भागना चाहिए। कुछ ऐसा काम करो कि स्वयं तुम्हारा नाम हो जाय। हमें लोगों को बताने की जरूरत नहीं पड़ना चाहिए कि हम ऐसा काम कर रहे हैं या बहुत अच्छा काम कर रहे हैं। जताने की जरूरत नहीं है।

रूही अपना एक हाथ आगे करते हुए बोली- बस .. बस... पापा जी हो गया। इंद्रजीत जी को रूही बिटिया का जरा सा रूठना समझ आ गया। बोले- आज तुम्हें मेरी बात समझ नहीं आएगी। जब तुम जिंदगी का मतलब समझोगी, तब तुम्हें सब एहसास होगा।
रूही बोली-पापा जी,ये सब बातें मेरी समझ से परे हैं। वैसे भी आप तो मेरे साथ हो ही हमेशा, तो मुझे किस बात की फिक्र रहेगी . भला बतताइए। फिर इंद्रजीत जी बोले- मेरी रानी....! हमेशा तुम मेरे भरोसे मत रहा करो न भाई। कभी खुद भी कुछ कर लिया करो।

छोड़ो ना पापा जी,आप भी बस इन्हीं बातों को लेकर बैठ गए ? आप भला कहाँ जायेंगे;बताइए ? चलिए,अब रात बहुत हो चुकी है। सोते हैं। कल सुबह क्या करना है। इसकी योजना तैयार करेंगे। गुड नाईट पापा जी। कहते हुए रूही अपने बेडरूम में चली गयी।

अगली सुबह रूही की आँखें देर से खुली। उठी। उसे इंद्रजीत जी नहीं दिखाई दिये। सोचने लगी कि इतनी देर हो गयी आज पापा मुझे आवाज क्यों नहीं दे रहें है। थोड़ी भी देर होती तो, वे रूही उठो न कितना सोओगी री लड़की। रात भर नहीं सोयी हो क्या। जल्दी उठ कर व्यायाम करना चाहिए ना। कुछ भी नहीं। रूही आज स्वयं उठ गयी थी। इंद्रजीत जी को देख कर घबरा गयी। बोली- क्या हुआ पापा जी,आप ठीक तो है ना ? क्यों बार-बार पसीना आ रहा है आपको ? हाँफ क्यों रहे हैं आप ? मम्मी... मम्मी...! पापा जी ठीक तो है ना ?
इंद्रजीत जी बोले- थोड़ी तबीयत ठीक नहीं लग रही है बेटा। तभी मम्मी बोली- चलिए डॉक्टर के पास चलते हैं।
इंद्रजीत जी को डॉक्टर के पास ले जाने वाले ही थे कि पता नहीं रूही की आँखों से आँसू रुक ही नहीं रहे थे। तभी इंद्रजीत जी बोले- मैं जल्दी आऊँगा बेटा। डोंट वरी माय डियर। इंद्रजीत जी ने कहा। नहीं पापा जी। मैं भी आपके साथ जाऊँगी। रूही की जिद में अनुरोध था। अंततः रूही का इंद्रजीत जी के साथ जाना नहीं हो पाया। घर वालों को इंद्रजीत जी का इंतजार करते काफी समय हो गया। थोड़ी देर बाद खबर मिली कि वे अब कभी वापस नहीं आयेंगे। साहित्यकार पिता इंद्रजीत जी की नयन बिछायी पुत्री रूही अब तक निः शब्द हो चुकी थी।

CMYK

हनुमान जयंती पर गूंजे जयकारे मंदिरों में उमड़ी श्रद्धालुओं की भीड़

स्कूल रोड और कलेक्टोरेट परिसर में मुख्य आयोजन,भंडारे में हजारों ने लिया प्रसाद

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,02 अप्रैल 2026
(घटती-घटना)।

शहर सहित जिलेभर में गुरुवार को हनुमान जयंती श्रद्धा और उल्लास के साथ मनाई गई। विभिन्न हनुमान मंदिरों में विधि-विधान से पूजा-अर्चना हुई, वहीं देर शाम तक भजन-कीर्तन और अखंड हरिकीर्तन से वातावरण भक्तिमय बना रहा। शहर के स्कूल रोड स्थित हनुमान मंदिर और कलेक्टोरेट परिसर में मुख्य आयोजन हुए। स्कूल रोड हनुमान मंदिर में समिति द्वारा पहले से ही व्यापक तैयारियां की गई थीं। सुबह से ही श्रद्धालुओं की भीड़ पूजा-अर्चना के लिए उमड़ पड़ी। महावीर मंडल लोक न्यास समिति द्वारा सामूहिक पूजा के बाद प्रसाद वितरण किया गया। मंदिर परिसर में इस वर्ष भी विशाल भंडारे का आयोजन किया गया, जिसमें हजारों श्रद्धालुओं ने प्रसाद ग्रहण किया। कलेक्टोरेट स्थित इच्छापूर्ति हनुमान मंदिर में सुंदरकांड पाठ और भंडारे का आयोजन किया गया। सुबह से ही पूजा-पाठ शुरू हो गया था, जो देर शाम तक चलता रहा। इसके अलावा गांधीनगर, गोधनपुर सहित अन्य क्षेत्रों के हनुमान मंदिरों में भी हनुमान जयंती धूमधाम से मनाई गई।

लमगांव स्थित प्राचीन हनुमान मंदिर में भी विशेष आयोजन हुए। मान्यता है कि यहां हनुमान जी की प्रतिमा स्वयं प्रकट हुई है। मंदिर में वर्षों से 24 घंटे रामचरितमानस का पाठ होता है। हनुमान जयंती पर बड़ी संख्या में श्रद्धालु दर्शन के लिए पहुंचे। लंबी कतारों में खड़े होकर भक्तों ने दर्शन किए। पूरे दिन प्रसाद वितरण और भंडारे का आयोजन चलता रहा। हनुमान जयंती के अवसर पर शहर के विभिन्न मंदिरों में देर शाम तक श्रद्धालुओं का आना-जाना लगा रहा। स्कूल रोड हनुमान मंदिर सहित अन्य मंदिरों में पूजा-अर्चना विधिवत संपन्न हुई।

आयोजन को सफल बनाने में पार्षद हरमिंदर सिंह टिन्नी, किशोर सिंह बघेल, दूधनाथ गोस्वामी, आकाश गुप्ता, रोचक गुप्ता, शानू कश्यप सहित अन्य लोगों की सक्रिय भूमिका रही।

कुख्यात गांजा तस्कर कृष्णा सिंह गिरफ्तार,5 किलो गांजा बरामद

आबकारी उडऩदस्ता और जिला टीम की संयुक्त कार्रवाई

एनडीपीएस एक्ट के तहत जेल भेजा गया आरोपी

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,02 अप्रैल 2026
(घटती-घटना)।

सरगुजा जिले के लखनपुर क्षेत्र में आबकारी विभाग की टीम ने बड़ी कार्रवाई करते हुए कुख्यात गांजा तस्कर कृष्णा सिंह को गिरफ्तार किया है। आरोपी के पास से करीब 5.135 किलोग्राम गांजा बरामद किया गया है। जानकारी के अनुसार, सहायक जिला आबकारी अधिकारी रंजीत गुप्ता के नेतृत्व में संभागीय उडऩदस्ता टीम और जिला आबकारी सरगुजा की टीम संयुक्त गश्त पर थी। इसी दौरान मुखबिर से सूचना मिली कि नवापारा अमगसी निवासी कृष्णा सिंह के घर और होटल में भारी मात्रा में गांजा रखा हुआ है। सूचना मिलते ही टीम ने तत्काल दबिश दी। पुलिस को देखते ही आरोपी कृष्णा सिंह होटल के पीछे भागने लगा, लेकिन टीम ने उसे दौड़ाकर पकड़ लिया। तलाशी के दौरान उसके हाथ में रखी बाल्टी से दो पॉलीथिन में गांजा मिला, जिसका कुल वजन 5.135 किलोग्राम पाया गया। आबकारी विभाग ने आरोपी के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट की धारा 20 (बी) के तहत मामला दर्ज कर उसे गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। इस कार्रवाई में आबकारी उप निरीक्षक सौरभ साहू, आकाश साहू और अनिल गुप्ता का विशेष योगदान रहा।

लंबे समय से कर रहा अवैध कारोबार : सहायक जिला आबकारी अधिकारी रंजीत गुप्ता ने बताया कि आरोपी कृष्णा सिंह लंबे समय से गांजा तस्करी में लिप्त था और पहले भी दो बार जेल जा चुका है, इसके बावजूद उसने अवैध कारोबार बंद नहीं किया। उन्होंने कहा कि विभाग द्वारा नशे के खिलाफ 'जीरो टॉलरेंस' नीति अपनाई जा रही है और इस तरह के कारोबार में लिप्त लोगों के खिलाफ लगातार कार्रवाई जारी रहेगी।

पुण्य गुरुवार पर मसीही समाज आराधना में लीन,विनम्रता और सेवा का दिया संदेश

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,02 अप्रैल 2026
(घटती-घटना)।

चालीस दिनों के उपवास और परहेज की अवधि के अंतिम सप्ताह में गुरुवार को पुण्य गुरुवार (मॉडी थर्सडे) पर मसीही समाज भक्ति और आराधना में लीन रहा। नवापारा स्थित बेदाग ईश माता महागिरजाघर में शाम 5 बजे से विशेष धार्मिक अनुष्ठान परंपरागत रूप से आयोजित किए गए। सांध्यकालीन कार्यक्रम अम्बिकापुर धर्मप्रांत के धर्माध्यक्ष बिशप अंतोनी बड़ा की अगुवाई में सम्पन्न हुआ। इस दौरान फादर विलियम उर्रे और पल्ली पुरोहित फादर जॉर्ज ग्रे कुजूर ने प्रमुख धार्मिक अनुष्ठान संपन्न कराए। समुदाय को संबोधित करते हुए बिशप अंतोनी बड़ा ने कहा कि प्रभु ईसा मसीह ने मानवता को प्रेम और सेवा का मार्ग दिखाया। उन्होंने बताया कि येसु ने अपने शिष्यों के पैर धोकर विनम्रता और दया का संदेश दिया। यह शिक्षा हमें अपने दैनिक जीवन में अपनानी चाहिए, चाहे वह अपने हों या अजनबी।

पैर धोने की परंपरा निभाई गई : पुण्य गुरुवार के अवसर पर परंपरा के अनुसार बिशप ने 12 श्रद्धालुओं के पैर धोकर उस ऐतिहासिक घटना का स्मरण कराया, जब येसु मसीह ने अपने 12 चेलों के पैर धोए थे। इसी दिन प्रभु ने अंतिम भोज

के दौरान अपने तन और रक्त को परम प्रसाद के रूप में अर्पित किया,जिसे आज भी मसीही समाज ग्रहण करता है।

बाइबिल पाठ और जुलूस का आयोजन : कार्यक्रम के दौरान बाइबिल पाठ का वाचन फिलिप तिर्की और अजिता टोप्पो द्वारा किया गया। पवित्र सक्रामेंट का जुलूस युवा संघ के नेतृत्व में निकाला गया। इसके बाद रात 8 बजे से आराधना प्रारंभ हुई, जिसमें विभिन्न पारा-टोला और संस्थानों ने क्रमवार अपनी प्रस्तुति दी। कार्यक्रम के दौरान फादर अनुरंजन के नेतृत्व में बढनीझरिया के युवक-युवतियों ने भक्तिमय गीतों की प्रस्तुति दी, जिससे पूरा माहौल भावुक और आध्यात्मिक हो गया।

महंगाई और पेट्रोलियम संकट पर कांग्रेस का हमला,केंद्र सरकार पर लगाए गंभीर आरोप

जिला कांग्रेस ने प्रेसवार्ता कर कहा...आर्थिक कुप्रबंधन से बढ़ी महंगाई,आम जनता पर पड़ रहा बोझ

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,02 अप्रैल 2026
(घटती-घटना)।

बढ़ती महंगाई और पेट्रोलियम पदार्थों की कथित किल्लत को लेकर जिला कांग्रेस कमेटी सरगुजा ने गुरुवार को प्रेसवार्ता आयोजित कर केंद्र सरकार पर तीखा हमला बोला। जिलाध्यक्ष बालकृष्ण पाठक सहित वरिष्ठ कांग्रेस नेताओं ने सरकार की नीतियों को इसके लिए जिम्मेदार ठहराया। कांग्रेस नेताओं ने कहा कि केंद्र की कूटनीतिक विफलता और आर्थिक कुप्रबंधन के कारण देश में महंगाई लगातार बढ़ रही है। उनका आरोप था कि पहले सस्ते कच्चे तेल की खरीद के बावजूद आम जनता को इसका लाभ नहीं मिला, जबकि उद्योगपतियों को फायदा पहुंचाया गया।

अब अंतरराष्ट्रीय परिस्थितियों में कीमतें बढऩे का बोझ जनता पर डाला जा रहा है। नेताओं ने कहा कि रसोई गैस,डीजल और पेट्रोल के दाम बढऩे से खाद्य पदार्थों की

कीमतों में भी तेजी आई है। आम आदमी महंगाई से परेशान है,जबकि सरकार इस पर प्रभावी नियंत्रण नहीं कर पा रही है। प्रेसवार्ता में मो. इस्लाम, संजय विश्वकर्मा,इंद्रजीत सिंह धंजल,विनीत विशाल जायसवाल,दुर्गेश गुप्ता,अनूप मेहता,आलोक सिंह,नरेंद्र विश्वकर्मा,विकल झा,आशीष जायसवाल, अविनाश कुमार और अमित सिंह सहित अन्य कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

पेट्रोलियम पदार्थों की किल्लत का आरोप : प्रेसवार्ता में यह भी कहा गया कि देश में पेट्रोलियम उत्पादों की कमी की स्थिति बन रही है। इसके लिए केंद्र सरकार की विदेश नीति को जिम्मेदार ठहराते हुए आरोप लगाया गया कि प्रमुख तेल आपूर्ति करने वाले देशों से संबंध कमजोर किए गए, जिससे हालात और बिगड़े।

कांग्रेस ने बताया गंभीर आर्थिक संकट : जिलाध्यक्ष बालकृष्ण पाठक ने कहा कि देश आर्थिक संकट की ओर बढ़ रहा है, लेकिन सरकार का ध्यान चुनावी राजनीति पर ज्यादा है। उन्होंने गैस की कालाबाजारी और बढ़ती बेरोजगारी को भी गंभीर समस्या बताया।

वैश्विक स्तर पर कमजोर स्थिति का दावा

प्रदेश उपाध्यक्ष जे.पी. श्रीवास्तव ने कहा कि देश को आवश्यक गैस की पर्याप्त आपूर्ति नहीं मिल पा रही है,जिससे संकट गहराया है। वहीं,प्रदेश महामंत्री द्वितेंद्र मिश्रा ने रुपये की गिरती स्थिति को सरकार की आर्थिक विफलता बताया।

6 लीटर अंग्रेजी शराब के साथ आरोपी गिरफ्तार

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,02 अप्रैल 2026 (घटती-घटना)।

लखनपुर पुलिस ने अंग्रेजी शराब के साथ एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। आरोपी घर में रखकर अवैध शराब बिक्री करता था। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ कार्रवाई कर जेल दाखिल कर दिया है। जानकारी के अनुसार गुरुवार को लखनपुर पुलिस को मुखबिर से सूचना मिली की ग्राम अंधला निवासी अनिल साय अपने घर में अंग्रेजी शराब रखकर बिक्री कर रहा है। सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंचकर घर की तलाशी ली। घर से 6 लीटर 390 एमएल शराब पाया गया। जिसे पुलिस ने जब्त कर आरोपी अनिल साय को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ कार्रवाई कर जेल दाखिल कर दिया है।

युवक पर टांगी से जानलेवा हमला,आरोपी गिरफ्तार

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,02 अप्रैल 2026 (घटती-घटना)।

केदमा चौकी पुलिस ने टांगी से जानलेवा हमला करने के कामले में आरोपी को गिरफ्तार किया है। आहत का इलाज जिला अस्पताल अंबिकापुर में चल रहा है। पेंडरखी निवासी सुसेना ने केदमा चौकी में रिपोर्ट दर्ज कराई थी। उसने पुलिस को बताया कि 16 फरवरी को प्रार्थी काा पति दिलेश्वर रजक बकरी चरा रहा था। बकरी गांव के शोभनाथ के आंगन में जाकर टमाटर का फसल खा गया था। इससे नाराज होकर शोभनाथ ने टांकी से दिलेश्वर के पीठ पर जानलेवा हमला कर दिया था। उसे इलाज के लिए उदयपुर अस्पताल से रेफर करने पर मेडिकल कॉलेज अस्पताल में भर्ती कराया गया है। यहां उसका इलाज चल रहा है। प्रार्थिया की रिपोर्ट पर पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर जेल दाखिल कर दिया है।

सरहुल सरना पूजा धूमधाम से मनाई गई,शोभायात्रा में झलकी जनजातीय परंपरा

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,02 अप्रैल 2026
(घटती-घटना)।

शहर में गुरुवार को जनजातीय समाज द्वारा सरहुल सरना पूजा पूरे उत्साह,श्रद्धा और पारंपरिक रीति-रिवाजों के साथ मनाई गई। इस अवसर पर शहर के कलाकेन्द्र में मुख्य कार्यक्रम आयोजित किया गया, जहां बड़ी संख्या में समाज के लोग एकत्रित हुए और विधि-विधान से पूजा-अर्चना की। कार्यक्रम के बाद कलाकेन्द्र से भव्य शोभायात्रा निकाली गई, जिसमें शामिल लोग पारंपरिक वेशभूषा में ढोल-नगाड़ों की थाप पर नाचते-गाते शहर के विभिन्न मार्गों से गुजरे। शोभायात्रा ने शहरवासियों का ध्यान आकर्षित किया और जगह-जगह लोगों ने इसका स्वागत किया। इस दौरान जनजातीय संस्कृति,लोकनृत्य और

परंपराओं की जीवंत झलक देखने को मिली। शोभायात्रा में युवा,महिलाएं और बुजुर्ग सभी उत्साह के साथ शामिल हुए। पारंपरिक गीतों और वाद्ययंत्रों की गूंज से पूरा वातावरण सरहुलमय हो गया। कई स्थानों पर श्रद्धालुओं ने शोभायात्रा पर पुष्पवर्षा कर स्वागत भी किया। इस आयोजन में प्रदेश के पर्यटन मंत्री राजेश अग्रवाल मुख्य रूप से शामिल हुए। उन्होंने सरहुल पूजा की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि यह पर्व प्रकृति के प्रति आस्था और सम्मान का प्रतीक है। उन्होंने प्रदेश में सुख-शांति, समृद्धि और भाईचारे की कामना की।

प्रकृति और नवजीवन का पर्व : सरहुल पर्व को जनजातीय समाज में विशेष महत्व प्राप्त है। यह त्योहार प्रकृति, हरियाली और नई फसल के आगमन का प्रतीक माना जाता है। इस दिन महादेव-पार्वती की पूजा के बाद साल वृक्ष की विशेष पूजा की जाती है। साल वृक्ष को जीवन,समृद्धि और प्रकृति के संतुलन का प्रतीक माना जाता है।

परंपरा और आस्था का संगम

सरहुल सरना पूजा के दौरान पारंपरिक रीति-रिवाजों का पूरी निष्ठा से पालन किया गया। समाज के पुजारियों द्वारा विधिवत पूजा संपन्न कराई गई।

लोगों ने अपने परिवार और समाज की खुशहाली के लिए प्रार्थना की। पूरे आयोजन के दौरान शहर में उत्साह, उल्लास और श्रद्धा का वातावरण बना रहा। यह आयोजन न केवल धार्मिक आस्था का प्रतीक रहा,बल्कि जनजातीय संस्कृति और परंपराओं को सहेजने का भी एक महत्वपूर्ण माध्यम बना।

समलाया मंडल में दो दिवसीय भाजपा प्रशिक्षण महाभियान सफलतापूर्वक संपन्न

कार्यकर्ताओं को सरकार की उपलब्धियों,संगठन मजबूती और वैचारिक सशक्तिकरण का मिला मार्गदर्शन...

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,02 अप्रैल 2026
(घटती-घटना)।

पंडित दीनदयाल उपाध्याय प्रशिक्षण महाभियान के अंतर्गत समलाया मंडल में आयोजित दो दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। कार्यक्रम के दूसरे दिन विभिन्न सत्रों के माध्यम से कार्यकर्ताओं को संगठनात्मक, वैचारिक एवं शासन की उपलब्धियों से संबंधित महत्वपूर्ण जानकारी दी गई। द्वितीय दिवस के चतुर्थ सत्र में 'अपनी सरकार की उपलब्धि एवं कार्यान्वयन' विषय पर विस्तार से चर्चा की गई, वहीं समापन सत्र में 'परीक्षा,जिज्ञासा समाधान एवं समापन' विषय पर वक्ताओं ने कार्यकर्ताओं के प्रश्नों का समाधान करते हुए मार्गदर्शन प्रदान किया। इस अवसर पर मुख्य वक्ता के रूप में भाजपा जिलाध्यक्ष भारत सिंह सिसोदिया ने कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए संगठन की

मजबूती, कार्यपद्धति और आगामी रणनीतियों पर अपने विचार साझा किए। उन्होंने कहा कि प्रशिक्षित कार्यकर्ता ही संगठन की रीढ़ होते हैं। इस सत्र की अध्यक्षता भगवान दास बंसल ने की। विषय वक्ता के रूप में श्रीमती अरुणा सिंह ने सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं, उपलब्धियों एवं उनके प्रभावी क्रियान्वयन पर विस्तृत प्रकाश डाला। इस सत्र की अध्यक्षता संजय सोनी द्वारा की गई। कार्यक्रम के दौरान छत्तीसगढ़ शासन के मंत्री एवं अंबिकापुर विधायक राजेश अग्रवाल, समलाया मंडल अध्यक्ष कमलेश तिवारी तथा परसा मंडल अध्यक्ष संतोष जायसवाल ने सभी वक्ताओं एवं सत्र अध्यक्षों को स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया। समापन अवसर पर जिलाध्यक्ष भारत सिंह सिसोदिया ने कहा कि यह प्रशिक्षण महाभियान केवल एक औपचारिक कार्यक्रम नहीं, बल्कि कार्यकर्ताओं के व्यक्तित्व विकास, वैचारिक स्पष्टता और संगठनात्मक दक्षता को सुदृढ़ करने का सशक्त माध्यम है। उन्होंने बताया कि पंडित दीनदयाल उपाध्याय के विचारों से प्रेरित यह पहल संगठन को जमीनी स्तर पर और अधिक सशक्त बना रही है। कार्यक्रम में भाजपा जिला महामंत्री विनोद हर्ष,अभिषेक प्रताप सिंह, अजय सोनी, पूरन राई,सर्वेश तिवारी,सतीश शर्मा, इंदु गुप्ता,इंदु नेताम,शालिनी सिंह, सत्यम साहू,आयुष दुबे सहित बड़ी संख्या में कार्यकर्ता एवं पदाधिकारी उपस्थित रहे।

भारतीय थल सेना (अग्निवीर) भर्ती हेतु 10 अप्रैल तक कर सकते हैं आवेदन

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,02 अप्रैल 2026
(घटती-घटना)।

उपसंचालक रोजगार ने बताया कि भारतीय थल सेना (अग्निवीर) भर्ती के लिये ऑनलाईन आवेदन प्रक्रिया 13 फरवरी 2026 तक थी, अब उसकी अंतिम तिथि 10 अप्रैल 2026 तक बढ़ा दी गई है। इच्छुक अभ्यर्थी 10 अप्रैल 2026 तक अधिकारिक वेबसाइट www.joinindianarmy.nic.in के माध्यम से आवेदन कर सकते हैं। इस भर्ती के अंतर्गत अग्निवीर (पुरुष),जनरल तकनीकी, लिपिक/ स्टोरकीपर, ट्रेडमैन ड्युटी अग्निवीर,टेक्निकल,अग्निवीर क्लर्क, स्टोर कीपर एवं अग्निवीर ट्रेड के पदों पर भर्ती की कार्यवाही की जावेगी। इस भर्ती रैली में सम्मिलित होने के लिए आवेदकों की अनिवार्य शैक्षणिक योग्यता पदवार 8वी,10 वीं उत्तीर्ण तथा अग्निवीर महिला (सेना पुलिस) सहित स्थायी कैडर नर्सिंग असिस्टेंट,नर्सिंग असिस्टेंट (वेट) एवं सिपाही फार्मा के पदों पर भर्ती

की जाएगी। ऑनलाइन कॉमन एंट्रेंस एग्जाम (सीईई) 1 जून से 10 जून 2026 के मध्य आयोजित किए जाने की संभावना है। परीक्षा से संबंधित विस्तृत दिशा-निर्देश समय-समय पर आधिकारिक वेबसाइट पर जारी किए जाएंगे। अभ्यर्थी किसी भी प्रकार की जानकारी के लिए अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम के समीप स्थित सेना भर्ती कार्यालय नया रायपुर के दूरभाष क्रमांक 0771-2965214 पर संपर्क कर सकते हैं। अधिक जानकारी के लिए इच्छुक अभ्यर्थी जिला रोजगार एवं स्वरोजगार केन्द्र मार्गदर्शन केन्द्र अम्बिकापुर सरगुजा से सम्पर्क कर सकते हैं।

CMYK

पटना दक्षिणमुखी हनुमान मंदिर में विशेष अनुष्ठान,भव्य शोभायात्रा और भंडारे का आयोजन

हनुमान जयंती पर जिलेभर में दिखी श्रद्धा और आस्था की झलक

-संवाददाता-
कोरिया,02 अप्रैल 2026 (घटती-घटना)।

जिले में हनुमान जयंती के पावन अवसर पर विभिन्न हनुमान मंदिरों में विशेष पूजा-अर्चना का आयोजन किया गया। सुबह से ही मंदिरों में श्रद्धालुओं का तांता लगा रहा और जगह-जगह भोग भंडारे का वितरण किया गया। पूरे जिले में भक्तिमय माहौल देखने को मिला।

पटना के दक्षिणमुखी हनुमान मंदिर में विशेष अनुष्ठान-नगर पंचायत पटना स्थित दक्षिणमुखी हनुमान मंदिर में हनुमान सेवा समिति द्वारा विशेष अनुष्ठान आयोजित किया गया, इस अवसर पर बड़ी संख्या में श्रद्धालु मंदिर पहुंचे और विधि-विधान से पूजा-अर्चना की।

भव्य शोभायात्रा में उमड़ा जनसैलाब

हनुमान सेवा समिति पटना के तत्वावधान में नगर में भव्य और विशाल शोभायात्रा निकाली गई, शोभायात्रा में पटना सहित आसपास के क्षेत्रों से हजारों श्रद्धालु शामिल हुए, इस दौरान 'जय श्री राम' और 'हनुमान जी की जय' के जयघोष से पूरा नगर गूंज उठा। श्रद्धालु भक्ति में लीन होकर पदयात्रा में शामिल हुए और नगर की परिक्रमा करते हुए मंदिर पहुंचे।

जनप्रतिनिधियों और नेताओं की रही उपस्थिति

शोभायात्रा में जिला पंचायत अध्यक्ष मोहित राम पैकरा, पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष यवत कुमार सिंह सहित विभिन्न राजनीतिक दलों के नेता शामिल हुए। भाजपा और कांग्रेस के नेताओं ने भी शोभायात्रा में भाग लेकर श्रद्धालुओं के साथ पदयात्रा की और धार्मिक आयोजन में सहभागिता निभाई।

भव्य भंडारे में हजारों श्रद्धालुओं ने किया प्रसाद ग्रहण-दक्षिणमुखी हनुमान मंदिर प्रांगण में हनुमान सेवा समिति द्वारा विशाल भोग भंडारे का आयोजन किया गया, हजारों की संख्या में पहुंचे श्रद्धालुओं ने प्रसाद ग्रहण किया, यह भंडारा देर शाम तक लगातार चलता रहा।

समिति सदस्यों ने निभाई सक्रिय भूमिका

आयोजन को सफल बनाने में समिति के राकेश सिंह, आकाश धनोरिया, गिरधारी लाल जायसवाल, कृष्ण बिहारी गुप्ता सहित अन्य सदस्यों ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई, समिति के सदस्यों ने जयंती से पूर्व ही नगर को भगवा ध्वजों और सजावट से सुसज्जित किया और पूरे दिन श्रद्धालुओं की सेवा में लगे रहे।

मंदिर की ऐतिहासिक और धार्मिक महत्वता

पटना स्थित दक्षिणमुखी हनुमान मंदिर एक प्राचीन और प्रसिद्ध मंदिर है, जिसकी ख्याति दूर-दूर तक फैली हुई है, यहां प्रतिवर्ष हनुमान जयंती पर भव्य आयोजन किया जाता है, जिसमें दूर-दराज से श्रद्धालु शामिल होते हैं।

जिले के अन्य मंदिरों में भी हुआ आयोजन-जिला मुख्यालय के बाजारपारा स्थित हनुमान मंदिर में भी सुबह से श्रद्धालुओं की भीड़ देखी गई, यहां मंदिर समिति द्वारा विशेष पूजा-अर्चना और भंडारे की व्यवस्था की गई थी, इसके अलावा भवानी तिगड्डा मंदिर, नगर पंचायत शिवपुर चरचा,भखार,कटकोना सहित अन्य क्षेत्रों में भी हनुमान जयंती का पर्व पूरे उत्साह और श्रद्धा के साथ मनाया गया।

दिनभर चला भक्ति और सेवा का क्रम

पूरे जिले में दिनभर भक्ति, सेवा और श्रद्धा का माहौल बना रहा, जगह-जगह भंडारे आयोजित किए गए और श्रद्धालुओं ने प्रसाद ग्रहण किया,हनुमान जयंती के अवसर पर कोरिया जिले में आस्था और श्रद्धा का अनूठा संगम देखने को मिला,विशेष रूप से पटना के दक्षिणमुखी हनुमान मंदिर में आयोजित कार्यक्रम ने इस धार्मिक उत्सव को और भी भव्य बना दिया।

बलरामपुर में स्कूल बसों की चेकिंग के साथ कंडक्टर लाइसेंस हेतु शिविर,फर्स्ट एड प्रशिक्षण भी होगा...

-संवाददाता-
बलरामपुर-रामानुजगंज,02 अप्रैल 2026 (घटती-घटना)।

जिले में आगामी शिक्षा सत्र को ध्यान में रखते हुए परिवहन एवं यातायात विभाग द्वारा एक महत्वपूर्ण पहल की गई है। स्कूल बसों के सुरक्षित एवं नियमानुसार संचालन को सुनिश्चित करने के लिए 5 अप्रैल 2026 को विशेष शिविर का आयोजन किया जा रहा है, जिसमें बसों की जांच के साथ-साथ कंडक्टर लाइसेंस बनवाने की प्रक्रिया को भी सरल बनाया जाएगा। यह पहल कलेक्टर एवं जिला दण्डाधिकारी तथा पुलिस अधीक्षक बलरामपुर-रामानुजगंज के निर्देशन में की जा रही है। अधिकारियों ने स्पष्ट किया है कि मोटर यान अधिनियम की धारा 29 के तहत किसी भी यात्री वाहन में कंडक्टर के रूप में कार्य करने के लिए वैध कंडक्टर अनुज्ञप्ति (लाइसेंस) अनिवार्य है। इसी के तहत 5 अप्रैल को जिला अस्पताल रोड स्थित स्वामी आत्मानंद स्कूल के पीछे मैदान में परिवहन विभाग एवं यातायात पुलिस द्वारा संयुक्त रूप से शिविर आयोजित किया जाएगा। इस

शिविर में जिले के सभी स्कूलों में संचालित बसों के ड्राइवर एवं कंडक्टर को अनिवार्य रूप से उपस्थित होने के निर्देश दिए गए हैं।

आवश्यक दस्तावेज

- आयु प्रमाण-पत्र (न्यूनतम आयु 18 वर्ष)
- सिविल सर्जन/जिला स्वास्थ्य अधिकारी द्वारा जारी फर्स्ट एड प्रमाण-पत्र
- चिकित्सा प्रमाण पत्र (प्रारूप-1)
- पुलिस अधीक्षक द्वारा जारी चरित्र प्रमाण-पत्र
- नियम 40 के तहत निर्धारित शुल्क
- न्यूनतम शैक्षणिक योग्यता : 8वीं पास
- एक पासपोर्ट साइज फोटो

बस संचालकों के लिए निर्देश

सभी स्कूल बस संचालकों को अपने वाहनों के जरूरी दस्तावेज जैसे–बीमा, परमिट, फिटनेस और प्रदूषण प्रमाण पत्र–साथ लाने होंगे,जिनकी मौके पर जांच की जाएगी।

शिविर की विशेष सुविधाएं: शिविर में कंडक्टर लाइसेंस के लिए जरूरी फर्स्ट एड प्रशिक्षण दिया जाएगा, जिसके बाद प्रमाण पत्र जारी किया जाएगा। इसके अलावा जिला अस्पताल के चिकित्सकों द्वारा नि:शुल्क नेत्र एवं स्वास्थ्य परीक्षण भी किया जाएगा। प्रशासन का उद्देश्य स्कूल बसों की सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत करना और सभी परिचालकों को नियमों के अनुरूप प्रशिक्षित एवं प्रमाणित करना है, ताकि विद्यार्थियों की यात्रा सुरक्षित और व्यवस्थित हो सके।

गांधी स्टेडियम अंबिकापुर में मल्लखंभ का भव्य शुभारंभ,खेलो इंडिया ट्राइबल गेम्स 2026 में पारंपरिक खेलों का दमदार प्रदर्शन

14 राज्यों की टीमों की भागीदारी, पोल व रोप मल्लखंभ सहित विभिन्न स्पर्धाओं में खिलाड़ियों ने दिखाया कौशल

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,02 अप्रैल 2026 (घटती-घटना)।

खेलो इंडिया ट्राइबल गेम्स 2026 के अंतर्गत सरगुजा जिले के गांधी स्टेडियम अंबिकापुर में पारंपरिक भारतीय खेल मल्लखंभ का भव्य शुभारंभ किया गया। इस अवसर पर खिलाड़ियों ने अपने अद्भुत संतुलन,शक्ति एवं लचीलापन का शानदार प्रदर्शन कर दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। मल्लखंभ, जो कि भारत की प्राचीन खेल परंपरा का महत्वपूर्ण हिस्सा है,को इस प्रतियोगिता में डेमो खेल के रूप में शामिल किया गया है। इसके माध्यम से पारंपरिक खेलों को राष्ट्रीय स्तर पर पहचान दिलाने का प्रयास किया जा रहा है। प्रतियोगिता में देश के 14 राज्यों की टीमें भाग ले रही हैं,जिससे आयोजन को राष्ट्रीय स्तर की गरिमा प्राप्त हो रही है। मल्लखंभ प्रतियोगिता के अंतर्गत विभिन्न स्पर्धाओं का आयोजन किया जा रहा है, जिसमें बालक एवं बालिका वर्ग में टीम चैंपियनशिप (पोल एवं रोप मल्लखंभ),पिरामिड चैंपियनशिप तथा पुरुष एवं महिला वर्ग में पिरामिड, पोल एवं रोप मल्लखंभ, हैंगिंग मल्लखंभ शामिल हैं। टीम स्पर्धाओं में अधिकतम 6 खिलाड़ियों की भागीदारी निर्धारित की गई है। गांधी स्टेडियम में आयोजित इस प्रतियोगिता में देश के विभिन्न राज्यों से आए प्रतिभागियों ने पोल एवं रस्सी मल्लखंभ पर आकर्षक करतब प्रस्तुत किए। खिलाड़ियों के उत्कृष्ट प्रदर्शन पर दर्शकों ने उत्साहपूर्वक तालियां बजाकर उनका हौसला बढ़ाया।

खेलो इंडिया ट्राइबल गेम्स 2026 का उद्देश्य जनजातीय क्षेत्रों में छिपी खेल प्रतिभाओं को मंच प्रदान करना एवं युवाओं को खेलों के प्रति प्रेरित करना है। इस आयोजन से स्थानीय प्रतिभाओं को अपनी क्षमता प्रदर्शित करने का अवसर मिल रहा है।

सोनहत : हनुमान जयंती पर उमड़ा आस्था का सैलाब गुरु कृपा मेडिकल के पास भव्य भंडारे का आयोजन

-संवाददाता-
सोनहत,02 अप्रैल 2026 (घटती-घटना)।

गुरुवार को अंचल सहित पूरे क्षेत्र में हनुमान जयंती का पर्व हर्षोल्लास और भक्तिभाव के साथ मनाया गया। इस पावन अवसर पर सोनहत स्थित गुरु कृपा मेडिकल के समीप हनुमान मंदिर में धार्मिक कार्यक्रमों की धूम रही, जहाँ बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने अपनी उपस्थिति दर्ज कराई।

विधि-विधान से हुई पूजा-अर्चना

कार्यक्रम की शुरुआत सुबह हनुमान जी के विशेष श्रृंगार और अभिषेक के साथ हुई, मंदिर के पुजारी द्वारा मंत्रोच्चार के बीच संकटमोचन हनुमान की विधिवत पूजा-अर्चना की गई। इस दौरान हनुमान चालीसा और सुंदरकांड के पाठ से पूरा वातावरण भक्तिमय हो गया। श्रद्धालुओं ने कतारबद्ध होकर बजरंगबली के दर्शन किए और सुख-समृद्धि की कामना की।

सैकड़ों श्रद्धालुओं ने ग्रहण किया प्रसाद

पूजा के पश्चात मंदिर परिसर में भव्य भंडारे का आयोजन किया गया,भक्ति और सेवा के इस समागम में क्षेत्र के सैकड़ों श्रद्धालुओं ने पहुँचकर प्रभु का प्रसाद ग्रहण किया,आयोजन समिति के सदस्यों और स्थानीय युवाओं ने सेवा भाव से भंडारे की व्यवस्था संभाली,जिससे देर शाम तक श्रद्धालुओं के आने का सिलसिला जारी रहा।

इनका रहा सराहनीय योगदान

इस भव्य आयोजन को सफल बनाने में स्थानीय श्रद्धालुओं ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। कार्यक्रम में मुख्य रूप से राजन पाण्डेय,सूर्यप्रकाश साहू, बलकरण सोनपाकर,जितेंद्र पटेल, मिथलेश राजवाड़े,गुलशन पाण्डेय,मारुति शर्मा,अविनाश परिडा और श्यामाधर यादव सहित कई अन्य श्रद्धालुओं का विशेष और सराहनीय योगदान रहा, इन सभी के निःस्वार्थ सेवा भाव की क्षेत्रवासियों ने काफी प्रशंसा की है।

इनका कहना है...

हनुमान जयंती के इस पावन अवसर पर मंदिर की सज्जा और भंडारे का आयोजन हर वर्ष की भांति इस बार भी अत्यंत भव्य रहा, श्रद्धालुओं की भारी भीड़ बजरंगबली के प्रति उनकी अटूट आस्था को दर्शाती है। '

सूर्य प्रकाश साहू स्थानीय निवासी

बलरामपुर में टला बड़ा हादसा ....अनियंत्रित ट्रेलर पेड़ से टकराया,आग लगने से मची अफरा-तफरी,चालक सुरक्षित

-संवाददाता-
बलरामपुर,02 अप्रैल 2026 (घटती-घटना)।

जिले के डूमरखी बैरियर से आगे स्थित एक तीखे मोड़ पर गुरुवार दोपहर लगभग 3:00 बजे एक बड़ा हादसा होते-होते टल गया। एक तेज रफ्तार ट्रेलर वाहन (क्रमांक CG 10 BR 5772) अचानक अनियंत्रित होकर सड़क किनारे खड़े दो पेड़ों से जा टकराया। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि कुछ ही क्षणों में वाहन में आग लग गई,जिससे पूरे इलाके में अफरा-तफरी मच गई। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार,ट्रेलर मोड़ पर संतुलन खो बैठा और सीधे पेड़ों से टकरा गया। टक्कर के तुरंत बाद वाहन के इंजन हिस्से से धुआं उठने लगा और देखते ही देखते आग की लपटें तेज हो गईं। सड़क पर मौजूद लोगों में भगदड़ जैसी स्थिति बन गई और कई लोग सुरक्षित दूरी बनाकर खड़े हो गए। इस बीच ट्रेलर चालक युसूफ

अंसारी (32 वर्ष) ने असाधारण सूझबूझ का परिचय देते हुए समय रहते वाहन से छलांग लगा दी,जिससे उसकी जान बच गई। घटना के बाद वह कुछ देर तक सदमे में रहा, लेकिन उसे किसी प्रकार की गंभीर चोट नहीं आई। घटना की सूचना मिलते ही हाइवे पेट्रोलिंग पुलिस टीम तुरंत मौके पर पहुंची और स्थिति को नियंत्रित करने में जुट गई। पुलिस ने तत्काल अग्निशामक दल और वन विभाग को सूचना दी। कुछ ही देर में दमकल की टीम मौके पर पहुंची और कड़ी मशक्कत के बाद वाहन में लगी आग पर काबू पाया। महत्वपूर्ण बात यह रही कि घटना स्थल जंगल से सटा हुआ क्षेत्र है। यदि समय रहते आग पर काबू नहीं पाया जाता,तो आग तेजी से फैलकर बड़े जंगल क्षेत्र को अपनी चपेट में ले सकती थी,जिससे भारी नुकसान की आशंका थी। हालांकि प्रशासन और दमकल विभाग की तत्परता के चलते एक बड़ा हादसा टल गया। प्राथमिक जानकारी के अनुसार, हादसे का कारण तेज रफ्तार या वाहन पर नियंत्रण खोना बताया जा रहा है, हालांकि वास्तविक कारणों का पता जांच के बाद ही चल सकेगा। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। स्थानीय लोगों ने प्रशासन और दमकल विभाग की त्वरित कार्रवाई की सराहना की है। राहत की बात यह है कि इस पूरे घटनाक्रम में किसी प्रकार की जनहानि नहीं हुई।

भीषण गर्मी के मद्देनजर स्कूलों के समय में परिवर्तन 11 अप्रैल से सुबह 07:30 बजे लगेंगे स्कूल....

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,02 अप्रैल 2026 (घटती-घटना)।

जिले में छत्तीसगढ़ राज्य ओपन स्कूल परीक्षा तथा कक्षा पहली से पांचवीं एवं छठवीं से आठवीं बोर्ड एवं स्थानीय वार्षिक परीक्षाएं प्रातः प्रथम पाली में संचालित हो रही हैं, जिसके कारण कक्षा नवमी एवं ग्यारहवीं की परीक्षाएं दोपहर द्वितीय पाली में संचालित की जा रही हैं, जो कि 10 अप्रैल 2026 को समाप्त हो जायेंगी। इसके उपरांत 11 अप्रैल 2026 से जिले के समस्त शासकीय/अशासकीय/अनुदान प्राप्त विद्यालय पूर्ववत् प्रातः 07:30 बजे से 11:30 बजे तक संचालित होंगी। विद्यालीन छात्र/छात्राओं,शिक्षकों एवं अन्य स्टाफ को गर्मी तथा लू से बचाव एवं सावधानी की सलाह दी जाती है। गर्मी तथा लू से बचाव के सभी आवश्यक उपाय एवं व्यवस्था सुनिश्चित करें।

CMYK

डीएसपी पी.डी. कुजूर 37 वर्षों की सेवा के बाद हुए सेवानिवृत्त

-संवाददाता-
सूरजपुर,02 अप्रैल 2026
(घटती-घटना)।

पुलिस विभाग में लंबे समय तक अपनी सेवाएं देने वाले पी.डी. कुजूर 31 मार्च 2026 को सेवानिवृत्त हो गए, उन्होंने कुल 37 वर्ष 3 माह तक पुलिस सेवा में रहकर अपने दायित्वों का निर्वहन किया, इस अवसर पर जिला पुलिस कार्यालय सूरजपुर में एक सम्मानजनक विदाई समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में प्रशांत कुमार ठाकुर (डीआईजी/एसएसपी सूरजपुर) उपस्थित रहे। उनके साथ जिले के कई वरिष्ठ पुलिस अधिकारी एवं कर्मचारी भी कार्यक्रम में शामिल हुए।

सम्मान के साथ दी गई विदाई- समारोह के दौरान सेवानिवृत्त डीएसपी को साल-श्रीफल, स्मृति चिन्ह, उपहार एवं प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया,अधिकारियों ने उनके लंबे और समर्पित सेवाकाल की सराहना की।

अनुशासन और कर्तव्यनिष्ठा की मिसाल- इस अवसर पर डीआईजी/एसएसपी प्रशांत कुमार ठाकुर ने कहा कि डीएसपी पी.डी. कुजूर ने अपने पूरे सेवा काल में अनुशासन, निष्ठा और जिम्मेदारी के साथ कार्य किया, उन्होंने न केवल कानून-व्यवस्था बनाए रखने में सक्रिय भूमिका निभाई, बल्कि अपने अधीनस्थ कर्मचारियों को समय-समय पर मार्गदर्शन भी दिया, उन्होंने कहा कि कुजूर की सेवाएं पुलिस विभाग के लिए अनुकरणीय रही हैं और उनका कार्यकाल आने वाले अधिकारियों के लिए प्रेरणास्त्रोत रहेगा।

अधिकारियों व परिजनों की रही उपस्थिति- विदाई समारोह में सेवानिवृत्त अधिकारी के परिजन भी मौजूद रहे, इसके अलावा एसडीओपी सूरजपुर अभिषेक पैंकरा, डीएसपी मुख्यालय महालक्ष्मी कुलदीप, डीएसपी रीना नीलम कुजूर, रक्षित निरीक्षक अशोक गिरी सहित जिला पुलिस कार्यालय के कई अधिकारी एवं कर्मचारी कार्यक्रम में शामिल हुए।

स्वस्थ और सुखद जीवन की कामना- कार्यक्रम के अंत में सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने सेवानिवृत्त डीएसपी के अच्छे स्वास्थ्य, दीर्घायु और सुखद जीवन की कामना की।

दुर्गा मंदिर रामलीला मैदान से कर नापते हुए बजरंग पारा हनुमान मंदिर पहुंचे मंजूल दीक्षित

हनुमान जन्मोत्सव पर दिखा भक्ति और शक्ति का अनूठा संगम

-संवाददाता-
रायगढ़,02 अप्रैल 2026
(घटती-घटना)।

हनुमान जन्मोत्सव के पावन अवसर पर गुरुवार को शहर में भक्ति और शक्ति का अनूठा संगम देखने को मिला। शहर के वरिष्ठ व लोकप्रिय समाजसेवी मंजुल दीक्षित मां दुर्गा मंदिर,रामलीला मैदान से बजरंगपारा स्थित संकटमोचन हनुमान मंदिर तक कर नापते हुए पहुंचे और क्षेत्रवासियों की सुख-समृद्धि और जनकल्याण के लिए हनुमान मंदिर में माथा टेक कर अपनी हाजिरी लगाई। इस दौरान बड़ी संख्या में उनके समर्थक व श्रद्धालु साथ रहे और रास्ते भर पवनसुत हनुमानजी के जयकारे लगाते रहे। मंजूल की कठिन साधना और अटूट विश्वास के सैकड़ों लोग गवाही बने।

शहर में गुरुवार को हनुमान जन्मोत्सव की धूम रही। शहर के हनुमान मंदिरों में सुबह से रात तक हनुमान चालीसा पाठ,सुंदर कांड पाठ, भंडारा सहित विभिन्न धार्मिक अनुष्ठान हुए। इस बीच रामलीला मैदान व बजरंपारा क्षेत्र में आस्था व विश्वास के साथ भक्ति व शक्ति का अनूठा संगम देखने को मिला। शहर के हर वर्ग में लोकप्रिय समाजसेवी मंजूल दीक्षित शहर सहित प्रदेश व देश की सुख-समृद्धि के लिए कड़ा संकल्प लिया था,जिसे उन्होंने हनुमान जन्मोत्सव पर पूरा किया। उन्होंने माँ दुर्गा मंदिर रामलीला मैदान से लेकर संकटमोचन हनुमान मंदिर,बजरंग पारा तक कर नापते हुए मार्ग तय किया। चिलचिलाती धूप और कठिन डगर की परवाह किए बिना उन्होंने पूरे भक्ति भाव के साथ अपना यह संकल्प पूरा किया और हनुमानजी के दरबार तक अपनी हाजिरी लगाई। इस दौरान पूरा रास्ता बजरंग बली के जयकारे से गूंज रहा था। बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं का जत्था उनके साथ-साथ चलता रहा। संकटमोचन मंदिर पहुँचने के पश्चात उन्होंने पवनपुत्र श्री हनुमान के चरणों में 27 नारियल अर्पित किए। मंदिर परिसर में उन्होंने विधि-विधान से पूजा-अर्चना की और प्रार्थना की कि सभी के जीवन से संकटों का नाश हो और खुशहाली का संचार हो।

न्यायालय नजूल अधिकारी अम्बिकापुर,जिला-सरगुजा.

रा0प्र0क्र0 /अ-20(1)/2025-26

ईश्तहार

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदकगण श्रीमती सुधा अग्रवाल पत्नी स्व0 सुधीर अग्रवाल, आकाश अग्रवाल, आदित्य अग्रवाल आ0 स्व0 सुधीर अग्रवाल, निवासी सभी जेल रोड़ गेहूंबाड़ी, दर्रीपारा अम्बिकापुर, तहसील अम्बिकापुर.. जिला सरगुजा, छ0ग0 के द्वारा आवेदन प्रस्तुत किया गया है कि उनके स्वामित्व एवं अधिपत्य की शीट नंबर -11 मोहल्ला-लखनपुर रोड, नगर अम्बिकापुर स्थित नजूल भूखण्ड क्रमांक 4531/25, 4531/20, 4531 / 19, 4531/22 रकबा कमशः $0.01^{1/2}$, $0.03^{1/2}$ एकड़, 480 वर्गफीट, 0.02 एकड़ भूमि की लीज अवधि समाप्ति तिथि 31.03.2026 है। आवेदकगण द्वारा उक्त भूमि का लीज अवधि बढ़ाये जाने हेतु आवेदन मय मेंटनेंस खसरा की प्रति सहित प्रस्तुत किया गया है।

अतः उक्त के संबंध में यदि किसी व्यक्ति अथवा संस्था को कोई दावा अथवा आपत्ति हो तो अपना लिखित दावा/आपत्ति स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से दिनांक- 13.04.2026 तक इस न्यायालय में उपस्थित होकर प्रस्तुत कर सकते है। नियत तिथि के बाद प्राप्त दावा/आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेंगा।

आज दिनांक 23.03.2026 को मेरे हस्ताक्षर एंव न्यायालीन पदमुद्रा से जारी ।

सील — नजूल अधिकारी ,अंबिकापुर

न्यायालय नजूल अधिकारी अम्बिकापुर,जिला-सरगुजा.

रा0प्र0क्र0 /अ-20(1)/2025-26

ईश्तहार

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक कृष्ण कुमार अग्रवाल आ0 स्व0 हरिराम अग्रवाल,दिशा अग्रवाल पत्नी सुशील अग्रवाल, निवासी जवाहर मार्केट,नवापारा,अम्बिकापुर,तहसील अम्बिकापुर,जिला सरगुजा,छ0ग0 के द्वारा आवेदन प्रस्तुत किया गया है कि उनके स्वामित्व एवं अधिपत्य की शीट नंबर- 02 मोहल्ला- देवीगंज रोड़, नगर अम्बिकापुर स्थित नजूल भूखण्ड क्रमांक 515/2, 515 / 3, 515/4 रकबा 0.03 एकड़, 450 वर्गफीट, 180 वर्गफीट भूमि की लीज अवधि समाप्ति तिथि 31.03. 2026 है। आवेदक द्वारा उक्त भूमि का लीज अवधि बढ़ाये जाने हेतु आवेदन मय मेंटनेंस खसरा की प्रति सहित प्रस्तुत किया गया है ।

अतः उक्त के संबंध में यदि किसी व्यक्ति अथवा संस्था को कोई दावा अथवा आपत्ति हो तो अपना लिखित दावा/आपत्ति स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से दिनांक- 13.04.2026 तक इस न्यायालय में उपस्थित होकर प्रस्तुत कर सकते है। नियत तिथि के बाद प्राप्त दावा / आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेंगा।

आज दिनांक 23.03.2026 को मेरे हस्ताक्षर एंव न्यायालीन पदमुद्रा से जारी ।

सील — नजूल अधिकारी ,अंबिकापुर

न्यायालय नजूल अधिकारी अम्बिकापुर,जिला-सरगुजा.

रा0प्र0क्र0 /अ-20(1)/2025-26

ईश्तहार

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक वेद प्रकाश अग्रवाल, सुशील अग्रवाल आ0 स्व0 हरिराम अग्रवाल, निवासी जवाहर मार्केट, नवापारा, अम्बिकापुर, तहसील अम्बिकापुर, जिला सरगुजा, छ0ग0 के द्वारा आवेदन प्रस्तुत किया गया है कि उनके स्वामित्व एवं अधिपत्य की शीट नंबर- 01 मोहल्ला- जवाहर मार्केट, नवापारा, नगर अम्बिकापुर स्थित नजूल भूखण्ड क्रमांक 3/54 रकबा 0.06 एकड़ भूमि की लीज अवधि समाप्ति तिथि 31.03.2026 है। आवेदक द्वारा उक्त भूमि का लीज अवधि बढ़ाये जाने हेतु आवेदन मय मेंटनेंस खसरा की प्रति सहित प्रस्तुत किया गया है।

अतः उक्त के संबंध में यदि किसी व्यक्ति अथवा संस्था को कोई दावा अथवा आपत्ति हो तो अपना लिखित दावा / आपत्ति स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से दिनांक- 13.04.2026 तक इस न्यायालय में उपस्थित होकर प्रस्तुत कर सकते है। नियत तिथि के बाद प्राप्त दावा / आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेंगा।

आज दिनांक 23.03.2026 को मेरे हस्ताक्षर एंव न्यायालीन पदमुद्रा से जारी ।

सील — नजूल अधिकारी ,अंबिकापुर

न्यायालय नजूल अधिकारी अम्बिकापुर,जिला-सरगुजा.

रा0प्र0क्र0 /अ-20(1)/2025-26

ईश्तहार

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदिका श्रीमती मीना अग्रवाल पत्नी श्री राजेश अग्रवाल, निवासी हाउस नंबर 88, रॉयल पार्क, फेज-2 एम0जी0 रोड, वार्ड नं0 11 पटपरिया, दशमेश स्कूल रोड नमनाकला, अम्बिकापुर, जिला-सरगुजा, छ0ग0 के द्वारा आवेदन प्रस्तुत किया गया है कि उनके स्वामित्व व आधित्य की मोहल्ला सदर रोड़, नंबर-11क शीट नंबर - 11क नगर अम्बिकापुर में स्थित नजूल भूमि भू-खण्ड क्रमांक- 3196/4817 /49 रकबा 234 वर्गफीट भूमि का लीज अवधि दिनांक 31.03.2026 को समाप्त हो रही है। आवेदक द्वारा उक्त भूमि का लीज अवधि बढ़ाए जाने हेतु आवेदन मय मेंटनेंस खसरा की प्रति सहित प्रस्तुत किया गया है।

अतः उक्त के संबंध में यदि किसी व्यक्ति अथवा संस्था को कोई दावा अथवा आपत्ति हो तो अपना लिखित दावा / आपत्ति स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से दिनांक- 15/04/2026 तक इस न्यायालय में उपस्थित होकर प्रस्तुत कर सकते है। नियत तिथि के बाद प्राप्त दावा/आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेंगा।

आज दिनांक- 27/03/2026 को मेरे हस्ताक्षर एंव न्यायालीन पदमुद्रा से जारी ।

सील — नजूल अधिकारी ,अंबिकापुर

न्यायालय नजूल अधिकारी अम्बिकापुर,जिला-सरगुजा.

रा0प्र0क्र0 /अ-20(3)/2025-26

ईश्तहार

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है, कि आवेदक ऋषिकांत सिंह आ0 स्व0 गजेन्द्र नारायण सिंह, निवासी साक्षरता मार्ग केदारपुर, अम्बिकापुर, तहसील अम्बिकापुर, जिला-सरगुजा छ0ग0 के द्वारा शीट नम्बर-4 मोहल्ला - केदारपुर, नगर अम्बिकापुर स्थित नजूल प्लाट नम्बर 1981/6 रकबा 0.11 एकड़ भूमि को बैक में बंधक रखने की अनापत्ति प्रमाण पत्र हेतु आवेदन पत्र पेश किया गया है।

उक्त भू-खण्ड के संबंध में यदि किसी व्यक्ति अथवा संस्था को कोई दावा अथवा आपत्ति हो तो अपना लिखित दावा-आपत्ति स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से दिनांक-16/04/2026 तक इस न्यायालय में प्रस्तुत कर सकते है। नियत समय-सीमा के बाद प्राप्त दावा-आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेंगा ।

आज दिनांक- 27/03/2026 को मेरे हस्ताक्षर एंव न्यायालीन पदमुद्रा से जारी ।

सील — नजूल अधिकारी ,अंबिकापुर

न्यायालय नजूल अधिकारी अम्बिकापुर,जिला-सरगुजा.

रा0प्र0क्र0 /अ-20(3)/2025-26

ईश्तहार

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है, कि आवेदकगण अनिल सिंह, शशिकांत सिंह, ऋषिकांत सिंह, अमित कुमार सिंह आ0 स्व0 गजेन्द्र नारायण सिंह, निवासी साक्षरता मार्ग केदारपुर, अम्बिकापुर, तहसील अम्बिकापुर, जिला- सरगुजा छ0ग0 के द्वारा शीट नम्बर-3 मोहल्ला - केदारपुर, नगर अम्बिकापुर स्थित नजूल प्लाट नम्बर 1262/3 रकबा $0.23^{1/2}$ एकड़ भूमि को बैक में बंधक रखने की अनापत्ति प्रमाण पत्र हेतु आवेदन पत्र पेश किया गया है।

उक्त भू-खण्ड के संबंध में यदि किसी व्यक्ति अथवा संस्था को कोई दावा अथवा आपत्ति हो तो अपना लिखित दावा-आपत्ति स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से दिनांक-16/04/2026 तक इस न्यायालय में प्रस्तुत कर सकते है। नियत समय-सीमा के बाद प्राप्त दावा-आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेंगा ।

आज दिनांक- 27/03/2026 को मेरे हस्ताक्षर एंव न्यायालीन पदमुद्रा से जारी ।

सील — नजूल अधिकारी ,अंबिकापुर

न्यायालय नजूल अधिकारी अम्बिकापुर,जिला-सरगुजा.

रा0प्र0क्र0 /अ-20(3)/2025-26

ईश्तहार

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है, कि आवेदिका सुनीता सिंह पत्नी ऋषिकांत सिंह अनिवासी साक्षरता मार्ग केदारपुर, अम्बिकापुर, तहसील अम्बिकापुर, जिला- सरगुजा छ0ग0 के द्वारा शीट नम्बर-4 मोहल्ला - केदारपुर, नगर अम्बिकापुर स्थित नजूल प्लाट नम्बर 1981/7 रकबा $0.10^{1/4}$ एकड़ भूमि को बैक में बंधक रखने की अनापत्ति प्रमाण पत्र हेतु आवेदन पत्र पेश किया गया है।

उक्त भू-खण्ड के संबंध में यदि किसी व्यक्ति अथवा संस्था को कोई दावा अथवा आपत्ति हो तो अपना लिखित दावा-आपत्ति स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से दिनांक-16/04/2026 तक इस न्यायालय में प्रस्तुत कर सकते है। नियत समय-सीमा के बाद प्राप्त दावा-आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेंगा।

आज दिनांक- 27/03/2026 को मेरे हस्ताक्षर एंव न्यायालीन पदमुद्रा से जारी ।

सील — नजूल अधिकारी ,अंबिकापुर

न्यायालय नजूल अधिकारी अम्बिकापुर,जिला-सरगुजा.

रा0प्र0क्र0 /अ-20(3)/2025-26

ईश्तहार

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है, कि आवेदक ऋषिकांत सिंह आ0 स्व0 गजेन्द्र नारायण सिंह, निवासी साक्षरता मार्ग केदारपुर, अम्बिकापुर, तहसील अम्बिकापुर, जिला-सरगुजा छ0ग0 के द्वारा शीट नम्बर-4 मोहल्ला- केदारपुर, नगर अम्बिकापुर स्थित नजूल प्लाट नम्बर 1981/4 रकबा $0.05^{3/4}$ एकड़ भूमि को बैक में बंधक रखने की अनापत्ति प्रमाण पत्र हेतु आवेदन पत्र पेश किया गया है।

उक्त भू-खण्ड के संबंध में यदि किसी व्यक्ति अथवा संस्था को कोई दावा अथवा आपत्ति हो तो अपना लिखित दावा-आपत्ति स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से दिनांक-16/04/2026 तक इस न्यायालय में प्रस्तुत कर सकते है । नियत समय-सीमा के बाद प्राप्त दावा-आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेंगा ।

आज दिनांक- 27/03/2026 को मेरे हस्ताक्षर एंव न्यायालीन पदमुद्रा से जारी।

सील — नजूल अधिकारी ,अंबिकापुर

न्यायालय नजूल अधिकारी अम्बिकापुर,जिला-सरगुजा.

रा0प्र0क्र0 /अ-20(1)/2025-26

ईश्तहार

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक निमिष अग्रवाल आ0 वेदप्रकाश अग्रवाल,निवासी जवाहर मार्केट, नवापारा, अम्बिकापुर, तहसील अम्बिकापुर, जिला सरगुजा, छ0ग0 के द्वारा आवेदन प्रस्तुत किया गया है कि उनके स्वामित्व एवं अधिपत्य की शीट नंबर- 01 मोहल्ला - चोपड़पारा, नगर अम्बिकापुर स्थित नजूल भूखण्ड क्रमांक 9/181 रकबा क्रमशः $0.03^{1/2}$ एकड़ भूमि की लीज अवधि समाप्ति तिथि 31.03.2026 है। आवेदकगण द्वारा उक्त भूमि का लीज अवधि बढ़ाये जाने हेतु आवेदन मय मेंटनेंस खसरा की प्रति सहित प्रस्तुत किया गया है।

अतः उक्त के संबंध में यदि किसी व्यक्ति अथवा संस्था को कोई दावा अथवा आपत्ति हो तो अपना लिखित दावा/आपत्ति स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से दिनांक- 13.04.2026 तक इस न्यायालय में उपस्थित होकर प्रस्तुत कर सकते है। नियत तिथि के बाद प्राप्त दावा/ आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेंगा।

आज दिनांक 23.03.2026 को मेरे हस्ताक्षर एंव न्यायालीन पदमुद्रा से जारी ।

सील — नजूल अधिकारी ,अंबिकापुर

न्यायालय नजूल अधिकारी अम्बिकापुर,जिला-सरगुजा.

रा0प्र0क्र0 /अ-20(1)/2025-26

ईश्तहार

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदिका श्रीमती अनिता अग्रवाल पत्नी राकेश अग्रवाल, निवासी जवाहर मार्केट, नवापारा अम्बिकापुर, तहसील अम्बिकापुर,, जिला सरगुजा, छ0ग0 के द्वारा आवेदन प्रस्तुत किया गया है कि उनके स्वामित्व एवं अधिपत्य की शीट नंबर- 01 मोहल्ला चोपड़ापारा, नगर अम्बिकापुर स्थित नजूल भूखण्ड क्रमांक 9/17, 9/19 रकबा क्रमशः $0.07^{1/2}$, 0.02 एकड़ भूमि की लीज अवधि समाप्ति तिथि 31.03.2026 है। आवेदकगण द्वारा उक्त भूमि का लीज अवधि बढ़ाये जाने हेतु आवेदन मय मेंटनेंस खसरा की प्रति सहित प्रस्तुत किया गया है।

अतः उक्त के संबंध में यदि किसी व्यक्ति अथवा संस्था को कोई दावा अथवा आपत्ति हो तो अपना लिखित दावा/आपत्ति स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से दिनांक- 13.04.2026 तक इस न्यायालय में उपस्थित होकर प्रस्तुत कर सकते है। नियत तिथि के बाद प्राप्त दावा / आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेंगा।

आज दिनांक 23.03.2026 को मेरे हस्ताक्षर एंव न्यायालीन पदमुद्रा से जारी ।

सील — नजूल अधिकारी ,अंबिकापुर

न्यायालय नजूल अधिकारी अम्बिकापुर,जिला-सरगुजा.

रा0प्र0क्र0 /अ-20(1)/2025-26

ईश्तहार

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक राकेश कुमार अग्रवाल आ0 स्व0 हरिराम अग्रवाल, निवासी जवाहर मार्केट, नवापारा, अम्बिकापुर, तहसील अम्बिकापुर, जिला सरगुजा, छ0ग0 के द्वारा आवेदन प्रस्तुत किया गया है कि उनके स्वामित्व एवं अधिपत्य की शीट नंबर- 01 मोहल्ला- जवाहर मार्केट, नवापारा, नगर अम्बिकापुर स्थित नजूल भूखण्ड क्रमांक 3/61 रकबा $0.03^{1/4}$ एकड़ भूमि की लीज अवधि समाप्ति तिथि 31.03.2026 है। आवेदक द्वारा उक्त भूमि का लीज अवधि बढ़ाये जाने हेतु आवेदन मय मेंटनेंस खसरा की प्रति सहित प्रस्तुत किया गया है।

अतः उक्त के संबंध में यदि किसी व्यक्ति अथवा संस्था को कोई दावा अथवा आपत्ति हो तो अपना लिखित दावा / आपत्ति स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से दिनांक- 13.04.2026 तक इस न्यायालय में उपस्थित होकर प्रस्तुत कर सकते है। नियत तिथि के बाद प्राप्त दावा/आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेंगा ।

आज दिनांक 23.03.2026 को मेरे हस्ताक्षर एंव न्यायालीन पदमुद्रा से जारी ।

सील — नजूल अधिकारी ,अंबिकापुर

न्यायालय नजूल अधिकारी अम्बिकापुर,जिला-सरगुजा.

रा0प्र0क्र0 /अ-20(1)/2025-26

ईश्तहार

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक वेद प्रकाश अग्रवाल, राकेश कुमार अग्रवाल आ0 स्व0 हरिराम अग्रवाल, निवासी जवाहर मार्केट, नवापारा, अम्बिकापुर, तहसील अम्बिकापुर, जिला सरगुजा, छ0ग0 के द्वारा आवेदन प्रस्तुत किया गया है कि उनके स्वामित्व एवं अधिपत्य की शीट नंबर- 01 मोहल्ला- चोपड़ापारा, नगर अम्बिकापुर स्थित नजूल भूखण्ड क्रमांक 1/72 रकबा $0.03^{1/2}$ भूमि की लीज अवधि समाप्ति तिथि 31.03.2026 है। आवेदक द्वारा उक्त भूमि का लीज अवधि बढ़ाये जाने हेतु आवेदन मय मेंटनेंस खसरा की प्रति सहित प्रस्तुत किया गया है।

अतः उक्त के संबंध में यदि किसी व्यक्ति अथवा संस्था को कोई दावा अथवा आपत्ति हो तो अपना लिखित दावा/ आपत्ति स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से दिनांक- 13.04.2026 तक इस न्यायालय में उपस्थित होकर प्रस्तुत कर सकते है। नियत तिथि के बाद प्राप्त दावा / आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेंगा ।

आज दिनांक 23.03.2026 को मेरे हस्ताक्षर एंव न्यायालीन पदमुद्रा से जारी

सील — नजूल अधिकारी ,अंबिकापुर

न्यायालय नजूल अधिकारी अम्बिकापुर,जिला-सरगुजा.

रा0प्र0क्र0 /अ-20(1)/2025-26

ईश्तहार

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक विशाल अग्रवाल आठ श्री राजेश अग्रवाल, निवासी बी-8, रॉयल पार्क, फेज-2 एम0जी0 रोड़, वार्ड नं0 11 पटपरिया, दशमेश स्कूल रोड़ नमनाकला, अम्बिकापुर, जिला-सरगुजा, छ0ग0 के द्वारा आवेदन प्रस्तुत किया गया है कि उनके स्वामित्व व आधित्य की मोहल्ला जेलपारा, शीट नंबर- 09 नगर अम्बिकापुर में स्थित नजूल भूमि भू-खण्ड क्रमांक - 3511/6 रकबा $0.02^{3/4}$ एकड़ भूमि का लीज अवधि दिनांक 31.03.2026 को समाप्त हो रही है। आवेदक द्वारा उक्त भूमि का लीज अवधि बढ़ाए जाने हेतु आवेदन मय मेंटनेंस खसरा की प्रति सहित प्रस्तुत किया गया है।

अतः उक्त के संबंध में यदि किसी व्यक्ति अथवा संस्था को कोई दावा अथवा आपत्ति हो तो अपना लिखित दावा / आपत्ति स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से दिनांक- 15/04/2026 तक इस न्यायालय में उपस्थित होकर प्रस्तुत कर सकते है। नियत तिथि के बाद प्राप्त दावा/आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेंगा।

आज दिनांक- 27/03/2026 को मेरे हस्ताक्षर एंव न्यायालीन पदमुद्रा से जारी ।

सील — नजूल अधिकारी ,अंबिकापुर

न्यायालय नजूल अधिकारी अम्बिकापुर,जिला-सरगुजा.

रा0प्र0क्र 202602021200030 /अ-20(1)/2025-26

ईश्तहार

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक अमिताभ शर्मा आ0 स्व0 षष्ठिका प्रसाद शर्मा, जाति ब्राम्हण, निवासी दर्रीपारा, तहसील अम्बिकापुर, मुख्तारआम- नीलाभ शर्मा आ0 स्व0 षष्ठिका प्रसाद शर्मा, जाति ब्राम्हण, निवासी दर्रीपारा, तहसील अम्बिकापुर, जिला सरगुजा छ0ग0 के द्वारा शीट नम्बर-10 मोहल्ला - दर्रीपारा, नगर अम्बिकापुर स्थित नजूल प्लाट नम्बर 4177 / 8, रकबा 0.08.29 एकड़ भूमि का लीज अवधि दिनांक 31.3.2026 को समाप्त हो रहे लीज अवधि बढ़ाने हेतु आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है ।

अतः उक्त के संबंध में यदि किसी व्यक्ति अथवा संस्था को कोई दावा अथवा आपत्ति हो तो अपना लिखित दावा / आपत्ति स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से दिनांक- 15.04.2026 तक इस न्यायालय में उपस्थित होकर प्रस्तुत कर सकते है। नियत तिथि के बाद प्राप्त दावा / आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेंगा।

आज दिनांक- 27.03.2026 को मेरे हस्ताक्षर एंव न्यायालीन पदमुद्रा से जारी ।

सील — नजूल अधिकारी ,अंबिकापुर

न्यायालय तहसीलदार अम्बिकापुर जिला-सरगुजा,छ0ग0

रा0प्र0क्र0 /अ-6/2025-26

ईश्तहार

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक अशोक कुमार मानिकपुरी आ0स्व0 सखा दास निवासी ग्राम उदयपुरढाब तहसील अम्बिकापुर जिला सरगुजा छ0ग0 के द्वारा ग्राम केराकछार स्थित भूमि खसरा नंबर 70, 118/2, 119 / 2, 202 /2 रकबा 0.247, 0.121, 0.125, 0.243 हे0 भूमि के राजस्व अभिलेखो में वसीयतनामा के आधार पर नामांतरण किये जाने हेतु आवेदन पेश किया गया है। उक्त संबंध में यदि किसी व्यक्ति अथवा संस्था को कोई आपत्ति हो तो सुनवाई दिनांक 27.04.2026 के पूर्व स्वयं अथवा अपने प्रतिनिधि अथवा अभिषाक के माध्यम से इस न्यायालय में उपस्थित होकर अपना दावा-आपत्ति प्रस्तुत कर सकते है। समय-सीमा के बाद प्राप्त दावा-आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेंगा ।

आज दिनांकः- 01/04/2026 को मेरे हस्ताक्षर एंव न्यायालीन पदमुद्रा से जारी ।

सील — तहसीलदार अम्बिकापुर

न्यायालय तहसीलदार अम्बिकापुर जिला-सरगुजा,छ0ग0

ईश्तहार

एतद द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक करण विश्वकर्मा आ0 स्व. शिवप्रसाद विश्ववकर्मा निवासी घुटरापारा थाना अम्बिकापुर तहसील ने कराया है कि आवेदक के अपने दादी स्वः फुलकुँवर बाई आ0 पति स्व. प्रेम साय की दिनांक 26/05/2021 को स्थान निवास में हुई है

आवेदक के मृत्यु उपरांत मृत्यु का पंजीयक नहीं कराया गया है। अतः प्रमाण-पत्र की आवश्यकता होने पर यह आवेदन पेश किया गया है।

उक्त संबंध में यदि किसी को कोई आपत्ति हो तो ईश्तहार प्रकाशन से 15 दिवस तक न्यायलय में उपस्थित होकर अपना दावा/आपत्ति प्रस्तुत कर सकते हैं। समय-सीमा के बाद प्राप्त आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा ।

आज दिनांक 30/03/2026 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालीन मुद्रा से जारी ।

सील — तहसीलदार अम्बिकापुर

न्यायालय तहसीलदार सूरजपुर जिला-सूरजपुर,छ0ग0

क्रमांक/2053/वाचक-2/2025
सूरजपुर दिनांक 20/03/2026

सार्वजनकि उद्घोषणा/ईश्तहार

सर्व साधारण ग्रामवासी /नगरवासी ग्राम/ ग्राम पचिरा प0हनं0 14 तहसील सूरजपुर, जिला-सूरजपुर को सूचित किया जाता है कि आवेदक बृजमोहन पिता स्व0 देवनन्दन जाति रजवार तहसील सूरजपुर जिला-सूरजपुर (छ0ग0) नें अपने पुत्र/पुत्री पिता/माता मनमेत उर्फ पोड़हीन मृत्यु तिथि 10/09/2015 स्थान पचिरा के जन्म /मृत्यु पत्र हेतु आवेदन पत्र इस न्यायालय में प्रस्तुत किया है, जिसमें कार्यवाही की जा रही है।

अतः इस न्यायालय में जिस व्यक्ति को कोई दावा / आपत्ति / आक्षेप हो तो वे स्वंय अथवा अपनें अभिभावक द्वारा इस न्यायालय में दिनांक 06/04/2026 दिन सोमवार को उपस्थित होकर दावा /आपत्ति/आक्षेप प्रस्तुत कर सकते है । बाद में प्राप्त दावा/ आपत्ति/आक्षेप पर कोई विचार नहीं किया जावेगा ।

आज दिनांक 20/03/2026 को मेरे हस्ताक्षर व न्यायालय की मुहर से जारी किया गया ।

सील — तहसीलदार सूरजपुर

न्यायालय अनुविभागीय अधिकारी (रा0) रामानुजगंज, जिला-बलरामपुर-रा.गंज

रा0प्र0क्र0-
ग्राम-रामानुजगंज पह0नं0-....
तहसील-रामानुजगंज

ईश्तहार

एतद् द्वारा सार्वसाधारण ग्राम/ नगर, रामानुजगंज को सूचित किया जाता है कि आवेदक अनिल कुमार आ0 बिरझन, जाति- चमार, निवासी ग्राम/नगर -रामानुजगंज, तहसील रामानुजगंज, जिला-बलरामपुर-रामानुजगंज द्वारा नगर/ ग्राम रामानुजगज, तहसील - रामानुजगंज स्थित अपने स्वामित्व एवं आधिपत्य की भूमि ख0नं0 - 45/29 रकबा - 0.069 हे0 में से रकबा 0.048 हे0 भूमि को कृषि भिन्न व्यवसायिक प्रयोजन में छत्तीसगढ़ भू-राजस्व संहिता, 1959 की धारा-172 के अधीन व्यपवर्तित किये जाने हेतु आवेदन प्रस्तुत किया गया है ।

यदि आवेदित भूमि के डायवर्सन कार्यवाही से जिस किसी व्यक्ति या संस्था को किसी प्रकार का कोई दावा /आपत्ति हो तो वह स्वयं या अपने अभिभाषक के माध्यम से दिनांक 16/04/2026 को अपना दावा/ आपत्ति प्रस्तुत कर सकते हैं। उक्त नियत समयावधि के पश्चात् प्रस्तुत दावा / आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

आज दिनांक 01/04/2026 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालयीन पदमुद्रा से जारी ।

सील — अनुविभागीय अधिकारी (रा0)रामानुजगंज

न्यायालय नजूल अधिकारी अम्बिकापुर,जिला-सरगुजा.

रा0प्र0क्र0 /अ-20(1)/2025-26

ईश्तहार

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक राकेश कुमार अग्रवाल आ0 स्व0 हरिराम अग्रवाल, निवासी जवाहर मार्केट, नवापारा, अम्बिकापुर, तहसील अम्बिकापुर, जिला सरगुजा, छ0ग0 के द्वारा आवेदन प्रस्तुत किया गया है कि उनके स्वामित्व एवं अधिपत्य की शीट नंबर- 01 मोहल्ला जवाहर मार्केट, नवापारा, नगर अम्बिकापुर स्थित नजूल भूखण्ड क्रमांक 3/61 रकबा $0.03^{1/4}$ एकड़ भूमि की लीज अवधि समाप्ति तिथि 31.03.2026 है। आवेदक द्वारा उक्त भूमि का लीज अवधि बढ़ाये जाने हेतु आवेदन मय मेंटनेंस खसरा की प्रति सहित प्रस्तुत किया गया है।

अतः उक्त के संबंध में यदि किसी व्यक्ति अथवा संस्था को कोई दावा अथवा आपत्ति हो तो अपना लिखित दावा / आपत्ति स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से दिनांक- 13.04.2026 तक इस न्यायालय में उपस्थित होकर प्रस्तुत कर सकते है। नियत तिथि के बाद प्राप्त दावा/आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेंगा।

आज दिनांक 23.03.2026 को मेरे हस्ताक्षर एंव न्यायालीन पदमुद्रा से जारी ।

सील — नजूल अधिकारी ,अंबिकापुर

न्यायालय नजूल अधिकारी अम्बिकापुर,जिला-सरगुजा.

रा0प्र0क्र0 /अ-20(1)/2025-26

ईश्तहार

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक मो0 हमीद आ0 जहूर, निवासी रघुनाथपुर, तहसील लुण्ड्रा, जिला सरगुजा, छ0ग0 के द्वारा आवेदन प्रस्तुत किया गया है कि उनके स्वामित्व एवं अधिपत्य की शीट नंबर- 08 मोहल्ला- न्यू महामाया रोड़, नगर अम्बिकापुर स्थित नजूल भूखण्ड क्रमांक 2361/7 रकबा $0.06^{1/2}$ भूमि की लीज अवधि समाप्ति तिथि 31.03.2026 है। आवेदक द्वारा उक्त भूमि का लीज अवधि बढ़ाये जाने हेतु आवेदन मय मेंटनेंस खसरा की प्रति सहित प्रस्तुत किया गया है।

अतः उक्त के संबंध में यदि किसी व्यक्ति अथवा संस्था को कोई दावा अथवा आपत्ति हो तो अपना लिखित दावा / आपत्ति स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से दिनांक- 13.04.2026 तक इस न्यायालय में उपस्थित होकर प्रस्तुत कर सकते है। नियत तिथि के बाद प्राप्त दावा / आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेंगा।

आज दिनांक 23.03.2026 को मेरे हस्ताक्षर एंव न्यायालीन पदमुद्रा से जारी ।

सील — नजूल अधिकारी ,अंबिकापुर

UGC की फर्जी यूनिवर्सिटी सूची से खुलासा

एमसीबी-कोरिया में फर्जी डिग्री पर नौकरी का मामला उजागर

- फर्जी विश्वविद्यालय की डिग्री से नौकरी, सत्यापन पर उठे गंभीर सवाल
- फर्जी संस्था से पढ़े शिक्षाकर्मी, फिर भी सेवा में–क्यों चुप हैं जिम्मेदार?
- यूजीसी ने 32 संस्थानों को बताया अवैध, फिर भी जारी है डिग्री का उपयोग
- शिकायत के बावजूद हुआ सत्यापन, अधिकारियों की भूमिका पर संदेह
- अंकसूची में रजिस्ट्रेशन नंबर नहीं,फिर भी नौकरी जारी
- अन्य जिलों में कारवाई, एमसीबी-कोरिया में अब तक चुप्पी

BHARTIYA SHIKSHA PARISHAD, UTTAR PRADESH
STATEMENT OF MARKS
SESSION - 2007

BHARTIYA SHIKSHA PARISHAD, UTTAR PRADESH
STATEMENT OF MARKS
SESSION - 2008

BHARTIYA SHIKSHA PARISHAD UTTAR PRADESH
DIPLOMA IN EDUCATION (D.Ed.)

-संवाददाता-
कोरिया/एमसीबी,02 अप्रैल 2026
(घटती-घटना)।

भारत में उच्च शिक्षा की गुणवत्ता और मानकों को सुनिश्चित करने वाली संस्था university Grants Commission ने हाल ही में एक महत्वपूर्ण खुलासा करते हुए देशभर के 32 संस्थानों को फर्जी विश्वविद्यालय घोषित किया है। आयोग ने स्पष्ट शब्दों में कहा है कि इन संस्थानों द्वारा प्रदान की गई डिग्रियां किसी भी प्रकार की नौकरी या उच्च शिक्षा के लिए मान्य नहीं हैं, यूजीसी ने यह भी बताया कि इन संस्थानों को न तो केंद्र सरकार और न ही किसी राज्य सरकार से मान्यता प्राप्त है। इसके बावजूद ये संस्थान वर्षों से छात्रों को गुमराह कर डिग्रियां जारी कर रहे थे।

यूजीसी द्वारा फर्जी विश्वविद्यालयों की सूची जारी करना एक महत्वपूर्ण कदम है, लेकिन इसका प्रभाव तभी दिखेगा जब जमीनी स्तर पर भी सख्ती से नियमों का पालन किया जाए,एमसीबी और कोरिया जिले का यह मामला प्रशासनिक जवाबदेही, शिक्षा की गुणवत्ता और पारदर्शिता से जुड़ा हुआ है, अब देखना यह होगा कि संबंधित विभाग इस पर क्या कार्रवाई करता है और क्या वास्तव में दोषियों को जिम्मेदार ठहराया जाता है या नहीं।

अन्य जिलों में कार्रवाई, एमसीबी-कोरिया में चुप्पी-

जानकारी के अनुसार छत्तीसगढ़ के अन्य जिलों में फर्जी डिग्री धारकों के खिलाफ कार्रवाई की गई है, कई मामलों में नियुक्तियां रद्द की गई हैं और जांच भी शुरू की गई है, इसके विपरीत एमसीबी और कोरिया जिले में अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं की गई है। इससे यह सवाल उठता है कि क्या यहां प्रशासनिक स्तर पर उदासीनता है या फिर किसी प्रकार का दबाव या संरक्षण।

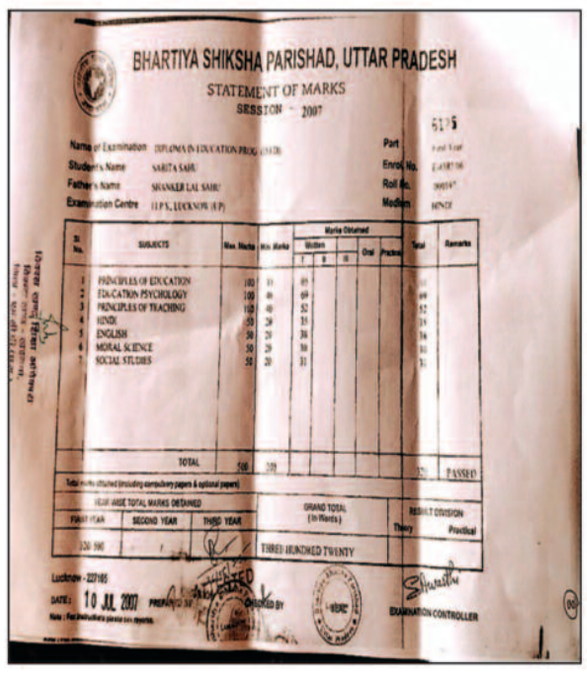

फर्जी डिग्री के आधार पर नौकरी: नियमों का उल्लंघन-

नियमों के अनुसार यदि कोई व्यक्ति फर्जी या अमान्य डिग्री के आधार पर नौकरी करता है, तो यह सेवा नियमों का उल्लंघन है, ऐसे मामलों में नियुक्ति रद्द की जा सकती है और वेतन की वसूली भी की जा सकती है, इसके अलावा संबंधित अधिकारियों पर भी कार्रवाई संभव है, यदि यह साबित हो जाए कि उन्होंने जानबूझकर नियमों की अनदेखी की।

यूजीसी की छात्रों को सख्त चेतावनी

यूजीसी ने छात्रों और अभिभावकों को स्पष्ट सलाह दी है कि किसी भी विश्वविद्यालय या संस्थान में प्रवेश लेने से पहले उसकी मान्यता अवश्य जांच लें, आयोग ने यह भी कहा है कि फर्जी संस्थानों के झांसे में आने से बचें और केवल मान्यता प्राप्त संस्थानों से ही शिक्षा प्राप्त करें।

शिक्षा व्यवस्था की विश्वसनीयता पर सवाल-

यह पूरा मामला केवल एक जिले या राज्य तक सीमित नहीं है, बल्कि यह देश की शिक्षा व्यवस्था की विश्वसनीयता पर भी सवाल खड़ा करता है, जब फर्जी संस्थान खुलेआम डिग्रियां बांट रहे हों और प्रशासनिक स्तर पर उन पर कार्रवाई न हो, तो यह स्थिति चिंताजनक हो जाती है।

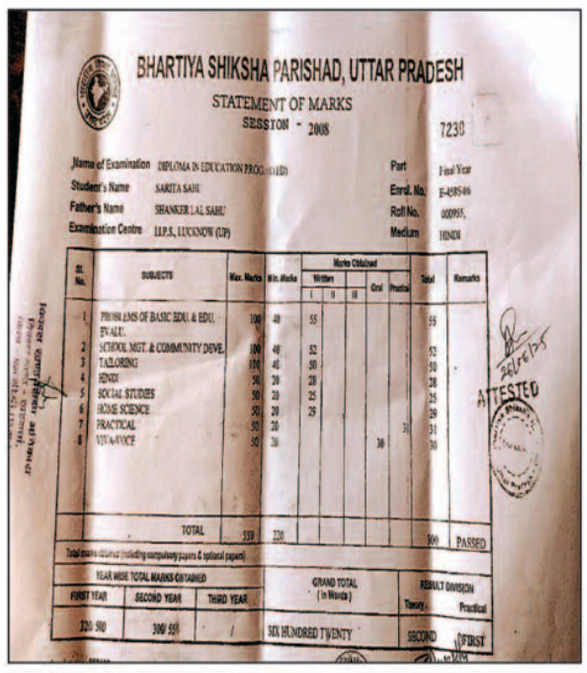

मान्यता का नियम और कानूनी प्रावधान

यूजीसी के नियमों के अनुसार केवल वही विश्वविद्यालय डिग्री प्रदान कर सकते हैं जो यूजीसी एक्ट 1956 की धारा 2(एफ) और 3 के अंतर्गत मान्यता प्राप्त हों, इसके अलावा किसी भी संस्था को 'विश्वविद्यालय' शब्द का उपयोग करने का अधिकार नहीं है, ऐसे में जो संस्थान इन नियमों का उल्लंघन करते हैं, वे पूरी तरह अवैध माने जाते हैं और उनसे प्राप्त डिग्रियां स्वत: ही निरस्त हो जाती हैं।

राज्यवार फर्जी विश्वविद्यालयों की स्थिति

यूजीसी द्वारा जारी सूची के अनुसार देश के कई राज्यों में फर्जी विश्वविद्यालय संचालित हो रहे हैं, इस सूची में सबसे अधिक 12 संस्थान दिल्ली से हैं। इसके अलावा उत्तर प्रदेश में 4 संस्थान चिन्हित किए गए हैं, अन्य राज्यों जैसे आंध्र प्रदेश, कर्नाटक, केरल, महाराष्ट्र, पुडुचेरी, पश्चिम बंगाल, अरुणाचल प्रदेश, हरियाणा, झारखंड और राजस्थान में भी फर्जी संस्थान पाए गए हैं, यह स्थिति दर्शाती है कि देश में उच्च शिक्षा के नाम पर बड़े पैमाने पर अनियमितताएं हो रही हैं।

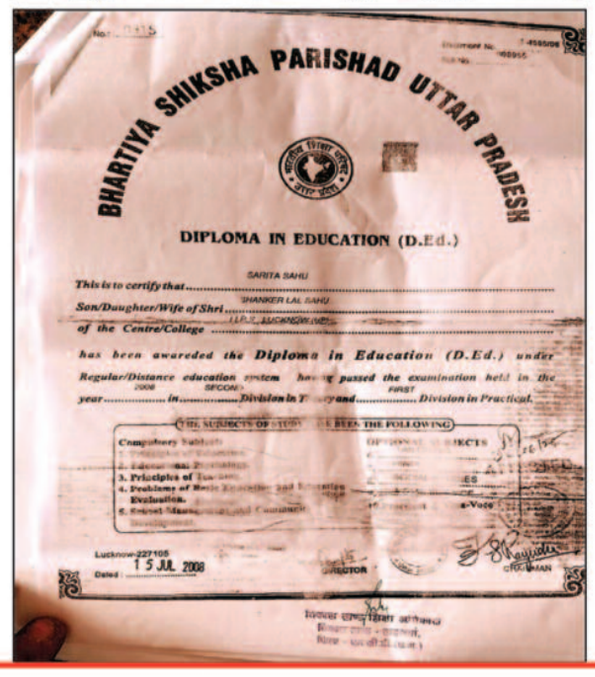

एमसीबी और कोरिया जिले में सामने आया गंभीर मामला

छत्तीसगढ़ के मनेंद्रगढ़ चिरमिरी-भरतपुर (एमसीबी) और कोरिया जिले में इस मुद्दे से जुड़ा एक गंभीर मामला सामने आया है, खड़गवां विकासखंड में कार्यरत कुछ शिक्षाकर्मी भारतीय शिक्षा परिषद, लखनऊ से प्राप्त डीएड की डिग्री के आधार पर नौकरी कर रहे हैं, यह संस्था यूजीसी द्वारा घोषित फर्जी विश्वविद्यालयों की सूची में शामिल है, इसके बावजूद इस संस्था की डिग्री धारक शिक्षाकर्मी लंबे समय से सेवा में बने हुए हैं।

शिकायत के बावजूद हुआ डिग्री का सत्यापन

जानकारी के अनुसार इस मामले में 5 मई 2025 को संबंधित अधिकारियों को शिकायत पत्र भेजा गया था, जिसमें इस संस्था की वैधता पर सवाल उठाए गए थे। इसके बावजूद 26 जून 2025 को इस संस्था की अंकसूची का सत्यापन कर दिया गया,यह स्थिति कई गंभीर प्रश्न खड़े करती है,जब संस्था पहले से ही संदिग्ध और बाद में फर्जी घोषित हो चुकी है, तो उसके दस्तावेजों का सत्यापन किस आधार पर किया गया।

अंकसूची में रजिस्ट्रेशन नंबर तक नहीं...

मामले की गंभीरता इस बात से और बढ़ जाती है कि संबंधित डिग्री की अंकसूची में रजिस्ट्रेशन नंबर तक अंकित नहीं है,सामान्यत: किसी भी मान्यता प्राप्त संस्था द्वारा जारी प्रमाणपत्र में पंजीयन संख्या अनिवार्य होती है, जब संस्था को कोई वैध मान्यता नहीं है, तो रजिस्ट्रेशन नंबर का अभाव स्वाभाविक है, ऐसे में बिना रजिस्ट्रेशन नंबर की अंकसूची का सत्यापन होना प्रशासनिक प्रक्रिया पर सवाल खड़ा करता है।

शिक्षा विभाग की भूमिका संदिग्ध

इस पूरे मामले में जिला शिक्षा अधिकारी और विकासखंड शिक्षा अधिकारी की भूमिका पर सवाल उठ रहे हैं,शिकायत मिलने के बाद भी कार्रवाई नहीं करना और उल्टा दस्तावेजों का सत्यापन करना गंभीर लापरवाही या अन्य किसी कारण की ओर संकेत करता है, स्थानीय स्तर पर यह चर्चा है कि संबंधित अधिकारियों ने जानबूझकर इस मामले को नजरअंदाज किया। हालांकि इस संबंध में कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है, लेकिन परिस्थितियां संदेह पैदा करती हैं।

जांच और कार्रवाई की आवश्यकता

वर्तमान स्थिति को देखते हुए यह आवश्यक है कि इस पूरे मामले की निष्पक्ष और उच्च स्तरीय जांच कराई जाए, इसमें यह स्पष्ट किया जाना चाहिए कि, फर्जी संस्था की डिग्री का सत्यापन किसने और कैसे किया, शिकायत के बावजूद कार्रवाई क्यों नहीं हुई, संबंधित शिक्षाकर्मियों की नियुक्ति किस आधार पर की गई, इसके आधार पर दोषियों पर सख्त कार्रवाई की जानी चाहिए, ताकि भविष्य में इस प्रकार की घटनाएं न हों।

37 वर्षों की सेवा के बाद कार्यपालन अभियंता अरुण कुमार मिश्रा हुए सेवानिवृत्त,भावपूर्ण विदाई

जल संसाधन विभाग में आयोजित हुआ सम्मान समारोह

-संवाददाता-
सूरजपुर,02 अप्रैल 2026
(घटती-घटना)।

सूरजपुर स्थित जल संसाधन विभाग में पदस्थ कार्यपालन अभियंता अरुण कुमार मिश्रा 37 वर्षों की समर्पित सेवा पूर्ण कर 30 मार्च 2026 को सेवानिवृत्त हो गए,इस अवसर पर विभागीय कार्यालय में उनके सम्मान में एक भावपूर्ण विदाई समारोह का आयोजन किया गया। समारोह में विभाग के अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने श्री मिश्रा के साथ बिताए कार्यकाल को याद करते हुए उनके व्यक्तित्व,कार्यशैली और योगदान की सराहना की,सभी ने उन्हें भविष्य के लिए शुभकामनाएं देते हुए सम्मानपूर्वक विदाई दी।

सहकर्मियों ने साझा किए संस्मरण

विदाई समारोह के दौरान अधीनस्थ अधिकारियों और कर्मचारियों ने श्री मिश्रा के साथ काम करने के अनुभव साझा किए,उन्होंने कहा कि श्री मिश्रा का कार्यकाल अनुशासन,समर्पण और सरल व्यवहार का उदाहरण रहा,उनके मार्गदर्शन में विभाग ने कई महत्वपूर्ण कार्य सफलतापूर्वक पूरे किए।

श्री मिश्रा ने जताया आभार

इस अवसर पर अरुण कुमार मिश्रा भावुक नजर आए, उन्होंने विभाग के सभी अधिकारियों और कर्मचारियों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि उन्हें अपने पूरे सेवा काल में सहकर्मियों का भरपूर सहयोग और स्नेह मिला। उन्होंने अपने 37 वर्षों के अनुभव को याद करते हुए विभाग के प्रति गहरी कृतज्ञता व्यक्त की।

कलेक्टर ने किया सम्मान

सेवानिवृत्ति के अवसर पर कलेक्टोरेट परिसर में एस.

जयवर्धन (कलेक्टर, सूरजपुर) ने भी श्री मिश्रा को स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया, कलेक्टर ने उनकी दीर्घ, निष्ठापूर्ण और उत्कृष्ट सेवाओं की सराहना करते हुए उनके योगदान को उल्लेखनीय बताया और उन्हें ससम्मान विदाई दी।

सेवा और समर्पण की मिसाल-

श्री अरुण कुमार मिश्रा का 37 वर्षों का सेवा काल जल संसाधन विभाग के लिए एक महत्वपूर्ण अध्याय रहा। उनके अनुभव, नेतृत्व और कार्य के प्रति समर्पण को लंबे समय तक याद किया जाएगा, उनकी सेवानिवृत्ति पर विभागीय परिवार ने उन्हें सम्मानपूर्वक विदाई देते हुए उनके स्वस्थ और सुखद जीवन की कामना की।

मोदी सरकार की आर्थिक नीतियों से महंगाई चरम पर,गरीब के घर का चूल्हा बुझा: शशि सिंह

गैस,तेल और रोजमर्रा की वस्तुओं की बढ़ती कीमतों पर कांग्रेस का हमला

-संवाददाता-
सूरजपुर,02 अप्रैल 2026
(घटती-घटना)।

सूरजपुर में जिला कांग्रेस अध्यक्ष शशि सिंह ने केंद्र की मोदी सरकार पर तीखा हमला बोलते हुए कहा कि सरकार की आर्थिक नीतियों ने आम जनता की कमर तोड़ दी है, उन्होंने आरोप लगाया कि महंगाई लगातार बढ़ रही है और इसका सीधा असर गरीब और मध्यम वर्ग के जीवन पर पड़ रहा है।

सूरजपुर में उठाया गया यह मुद्दा केवल स्थानीय नहीं बल्कि राष्ट्रीय स्तर पर महंगाई और आर्थिक नीतियों पर चल रही बहस का हिस्सा है, बढ़ती कीमतों ने आम लोगों के जीवन को प्रभावित किया है और इस पर राजनीतिक बयानबाजी भी तेज हो गई है, अब देखना होगा कि सरकार इस पर क्या कदम उठाती है और क्या आम जनता को राहत मिल पाती है या नहीं।

कमर्शियल और घरेलू गैस पर दोहरी मार

शशि सिंह ने कहा कि हाल ही में कमर्शियल गैस सिलेंडर की कीमत में 195 रुपये की बढ़ोतरी की गई है,पिछले तीन महीनों में कुल मिलाकर 525 रुपये तक की वृद्धि हो चुकी है, इसके साथ ही घरेलू गैस सिलेंडर पर भी 62 रुपये की बढ़ोतरी की गई है,जिससे मध्यम वर्गीय परिवारों पर अतिरिक्त आर्थिक बोझ पड़ा है,उन्होंने सवाल उठाया कि जो लोग पहले 400 रुपये के सिलेंडर पर विरोध करते थे, वे आज 1000 रुपये के पार पहुंची कीमतों पर चुप क्यों हैं।

तेल की कीमतों को लेकर भी सरकार पर निशाना

उन्होंने पेट्रोल और डीजल की कीमतों को लेकर भी केंद्र सरकार को घेरा। उनका कहना है कि एक्साइज ड्यूटी घटाने का दावा किया गया,लेकिन वास्तविकता में कई राज्यों में पेट्रोल की कीमतें फिर बढ़ गई हैं,कुछ पेट्रोल पंपों पर 4 रुपये तक की वृद्धि देखने को मिल रही है, इसके अलावा हवाई ईंधन (एविएशन फ्यूल) की कीमत बढ़ने से आम लोगों के लिए हवाई यात्रा भी महंगी होती जा रही है।

महंगाई को बताया 'भाजपा निर्मित आपदा'

शशि सिंह ने कहा कि वर्तमान महंगाई प्राकृतिक कारणों से नहीं, बल्कि सरकार की नीतियों का परिणाम है,उन्होंने इसे भाजपा निर्मित आपदा करार दिया,उन्होंने उदाहरण देते हुए कहा कि खाद्य तेल, दूध,मावा,राशन और अन्य दैनिक उपयोग की वस्तुओं की कीमतें लगातार बढ़ रही हैं, जिससे आम आदमी का जीवन प्रभावित हो रहा है।

70 साल बनाम 10 साल की तुलना

कांग्रेस नेता ने कहा कि जिन वस्तुओं की कीमतें पिछले 70 वर्षों में धीरे-धीरे बढ़ी थीं,वे पिछले कुछ वर्षों में अचानक कई गुना बढ़ गई हैं,उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार की नीतियों के कारण महंगाई नियंत्रण से बाहर हो चुकी है और इसका खामियाजा आम जनता को भुगतना पड़ रहा है।

गरीबों और मध्यम वर्ग पर बढ़ता आर्थिक दबाव

शशि सिंह ने कहा कि बढ़ती महंगाई के कारण गरीब और मध्यम वर्ग के घर का बजट पूरी तरह बिगड़ गया है, रसोई गैस, खाद्य सामग्री और ईंधन की बढ़ती कीमतों के कारण परिवारों के लिए दैनिक खर्च चलाना मुश्किल हो गया है, उन्होंने कहा कि कई गरीब परिवारों के लिए अब चूल्हा जलाना भी कठिन हो गया है।

मनरेगा और बैंकिंग शुल्क को लेकर भी आरोप

उन्होंने केंद्र सरकार पर आरोप लगाया कि मनरेगा जैसी रोजगार गारंटी योजनाओं को कमजोर किया जा रहा है, इसके साथ ही आम लोगों के बैंक खातों से सर्विस चार्ज के नाम पर पैसा काटा जा रहा है, शशि सिंह ने कहा कि एक तरफ आम जनता से पैसा लिया जा रहा है और दूसरी तरफ बड़े उद्योगपतियों के कर्ज माफ किए जा रहे हैं।

सार्वजनिक उपक्रमों की बिक्री पर चिंता

कांग्रेस नेता ने आरोप लगाया कि सरकार देश के सार्वजनिक उपक्रमों को बेच रही है, जिससे आर्थिक असमानता बढ़ रही है,उन्होंने कहा कि इससे रोजगार के अवसर कम हो रहे हैं और देश की संपत्ति निजी हाथों में जा रही है।

कांग्रेस का विरोध जारी रहेगा

शशि सिंह ने कहा कि कांग्रेस पार्टी इन मुद्दों को लेकर सड़क से लेकर सदन तक आवाज उठाती रहेगी, उन्होंने कहा कि जब तक महंगाई पर नियंत्रण नहीं होता और आम जनता को राहत नहीं मिलती,तब तक आंदोलन जारी रहेगा।

पति राघव चड्ढा के लिए परिणीति चोपड़ा ने खोला मोर्चा

आप नेता की ढाल बन दे रहीं विरोधियों को जवाब !

एक्ट्रेस परिणीति चोपड़ा के पति और आम आदमी पार्टी के नेता राघव चड्ढा को राज्य सभा डिप्टी लीडर के पद से हटा दिया गया है।बी टाउन एक्ट्रेस परिणीति चोपड़ा के पति और राजनेता राघव चड्ढा का नाम इस वक्त लगातार सुर्खिया बटोर रहा है। गुरुवार को आम आदमी पार्टी ने राघव को राज्य सभा डिप्टी लीडर के पद से हटा दिया है। इस मामले को लेकर हर तरफ राघव चड्ढा की चर्चा हो रही है। इस बीच सोशल मीडिया पर राघव की पत्नी परिणीति चोपड़ा एक पोस्ट जमकर वायरल हो रहा है, जिसमें वह अपने हसबैंड के पक्ष में बात करती हुई नजर आ रही हैं। परिणीति ने इस पोस्ट में क्या-क्या लिखा है-

पति के समर्थन में परिणीति चोपड़ा

हाल ही में राज्य सभा सदन में राघव चड्ढा ने कई ऐसे मुद्दों पर आवाज उठाई है, जो सीधे तौर पर आम जनता से नाता रखते हैं। इनमें से एक मामला पैटरनिटी लीव का रहा, जिस पर राघव ने सदन में डंके की चोट पर बात की। इस मुद्दे को

लेकर दो दिन पहले परिणीति चोपड़ा ने अपने ऑफिशियल इंस्टाग्राम हैंडल पर एक पोस्ट शेयर किया,जिसमें राघव चड्ढा के राज्य सभा सदन की पैटरनिटी लीव वाली स्पीच मौजूद रही। इस पोस्ट में परिणीति ने लिखा है-मेरे प्यारे पति,आपने सिर्फ एक सांसद के तौर पर ही नहीं,बल्कि उस पिता के तौर पर बात की,जिसे मैं हर रोज देखती हूं। हमने इस बारे में कितनी ही बार बात की है कि हमारा बच्चा इस बात का हकदार है कि उसके माता-पिता दोनों ही,अपनी पूरी क्षमता के साथ,उसके साथ मौजूद रहें। तो जब आज आपने बात की, तो वह सिर्फ कोई पॉलिसी नहीं थी। वह उस तरीके से निकली थी,जिस तरह आप हमारे बच्चे की परवरिश करते हैं। ध्यान देने वाली बात ये है कि बच्चे के पैदा होने पर केवल एक मां का जन्म नहीं बल्कि एक पिता का भी जन्म होता है। ऐसे घर जहां परिवार को पिता का साथ नहीं मिलता। आज आप उनके अकेलेपन को संसद तक ले आए। एक ऐसी जगह जहां इस बात की सचमुच बहुत अहमियत है, हमेशा आप पर गर्व है।

कब आया परिणीति का पोस्ट

मालूम हो कि परिणीति चोपड़ा का ये पोस्ट उस वक्त आया, जब पैटरनिटी लीव वाले मामले को लेकर सदन में विरोधी पक्ष ने राघव चड्ढा का विरोध किया। हालांकि, परिणीति के इस पोस्ट का राघव चड्ढा के राज्य सभा डिप्टी लीडर पद से हटाए जाने वाले मामले से कोई लेना-देना नहीं है।

हनी सिंह और बादशाह को हाई कोर्ट से फटकार

दिल्ली हाईकोर्ट ने हनी सिंह और बादशाह के विवादित गाने माफिया मुंडीर वॉल्यूम 1 को सभी प्लेटफॉर्म से हटाने का आदेश दिया है। कोर्ट ने गाने के बोल को महिलाओं के प्रति अश्लील और अपमानजनक बताया। हनी सिंह और बादशाह को दिल्ली हाईकोर्ट से तगड़ा झटका मिला है। कोर्ट ने साल 2000 के दशक के उनके विवादित गाने को अश्लील बताते हुए माफिया मुंडीर वॉल्यूम 1 को तत्काल हर प्लेटफॉर्म से हटाने के आदेश दिए हैं।इस बात को लेकर काफी विवाद रहा है कि यह गाना किसने गाया, इसलिए हाई कोर्ट में दायर याचिका में दावा किया गया कि यह हनी सिंह ने गाया है, क्योंकि उन्होंने अपने हाल ही के एक कॉन्सर्ट में इसकी कुछ लाइनें गाई थीं।

सोशल मीडिया से हटाने का सुनाया फैसला

गुरुवार को अदालत ने फैसला सुनाते हुए बादशाह और हनी सिंह के साथ-साथ गाने या उसके रीमिक्स पर अधिकार का दावा करने वाले किसी भी व्यक्ति को इसे तुरंत सभी सोशल मीडिया हैंडल, म्यूजिक प्लेटफॉर्म या किसी भी ऑनलाइन स्थान से हटाने का आदेश दिया। यह फैसला हिंदू शक्ति दल की उस याचिका के बाद आया है जिसमें अपमानजनक गाने के खिलाफ अपील की गई थी।

महिलाओं के प्रति बताया अपमानजनक

याचिका में सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म से गाने के वीडियो और ऑडियो को हटाने की मांग की गई थी। लिव लॉ के मुताबिक जस्टिस पुरुषैन्द्र कौरव ने दावा किया कि माफिया मुंडेर के वॉल्यूम 1 के बोल महिलाओं के प्रति अत्यंत अश्लील, आपत्तिजनक और अपमानजनक थे। उन्होंने आगे कहा कि कोई भी सभ्य समाज इस तरह के कंटेंट को डिजिटल प्लेटफॉर्म पर रहने की अनुमति नहीं देगा।

कार्रवाई शुरू होते ही कोर्ट ने कहा कि गाने का टाइटल ऐसा है, जो आधिकारिक आदेश में लिखा भी नहीं जा सकता, यह पूरी तरह से अस्वीकार्य है। दिल्ली उच्च न्यायालय के अनुसार, वॉल्यूम 1 के बोल महिलाओं के प्रति अमानवीय हैं। न्यायालय ने आगे कहा कि इस तरह के कंटेंट को कलात्मक अभिव्यक्ति और बोलने की स्वतंत्रता की आड़ में सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर नहीं रखा जा सकता, जो सभी आयु वर्ग के लोगों के लिए सुलभ हैं।

मुझे इसमें डाउट...रणबीर कपूर की रामायण का टीजर देखने के बाद टीवी की सीता ने दी अपनी राय

नितेश तिवारी की रामायण का टीजर हनुमान जयंती पर रिलीज हुआ,जिसमें रणबीर कपूर राम के रूप में दिखे। रमानंद सागर की रामायण में सीता का किरदार निभाने वाली दीपिका चिखलिया ने टीजर देखकर रिएक्ट किया है।

धुरंधर 2 के बाद नितेश तिवारी की रामायण इस साल की मच अवेटेड फिल्मों में से एक बनी हुई है। हनुमान जयंती के मौके पर 2 अप्रैल को रामायण का टीजर फाइनली रिलीज हुआ। इसके जरिए फैंस ने पर्दे पर राम बने रणबीर कपूर की पहली झलक देखी।इसके विज़ुअल्स को देखकर चर्चा भी शुरू हो गई है। कुछ लोग इसे ओम राउत की आदिपुरुष से बेहतर बता रहे तो कुछ ने इसकी भव्यता की तुलना मणिरत्नम की फिल्मों से करनी शुरू कर दी। अब रमानंद सागर की रामायण में सीता का किरदार निभा चुकी दीपिका चिखलिया ने भी इस पर अपनी राय दी है।

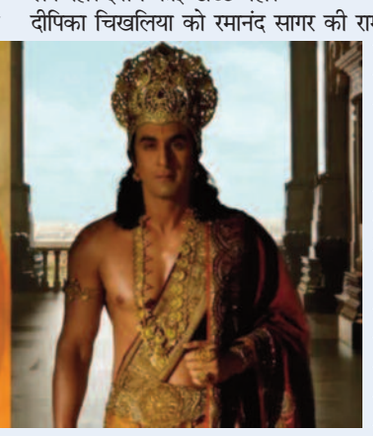

टीजर देखकर कैसा था दीपिका का रिएक्शन?

एक्ट्रेस ने फिल्म के स्केल और प्रिजेंटेशन की तारीफ की। उन्होंने कहा- मैंने टीजर देखा और ये बहुत ही भव्य होने वाला है। बहुत रिच लग रहा है। उन्होंने बहुत अच्छे से बनाया है। मैं अब बस फिल्म का इंतजार कर रही और ये बहुत ही सुंदर लग रही। इसमें कोई डाउट नहीं।

दीपिका चिखलिया को रमानंद सागर की रामायण से काफी लोकप्रियता मिली थी। यह शो दूरदर्शन पर 1980 और 90 के दशक पर प्रसारित हुआ था। इसके बाद साल 2020 में लॉकडाउन के दौरान इसका पुनः प्रसारण किया गया था जिससे नई जेनरेशन के व्यूअर्स के बीच भी उनकी पॉपुलैरिटी बढ़ी।

रामायण के टीजर में क्या है खास?

टीजर में रणबीर कपूर को भगवान राम के रूप में कई अलग-अलग भावों में दिखाया गया है। एक राक्षस का वध करने से लेकर वनवास तक, दो मिनट और 38 सेकंड के इस टीज़र में रणबीर को इस पौराणिक चरित्र को उसकी प्रसिद्ध भव्यता,गरिमा,शालीनता और राजसी अंदाज में निभाते हुए दिखाया गया है।

मजेदार अंदाज में दी बधाई तो खिलखिलाने लगे फैन्स, अक्षय ने भी लुटाया प्यार अजय देवगन के जन्मदिन पर फिल्मी सितारों समेत तमाम फैन्स ने बधाई दी है...अजय की पत्नी काजोल ने भी उनकी जन्मदिन पर टांग खींची है... साथ ही अजय के दोस्त अक्षय कुमार ने प्यार लुटाया है...

बॉलीवुड स्टार अजय देवगन गुरुवार को 57 साल के हो गए और उनके जन्मदिन पर उनके परिवार और फिल्म जगत के दोस्तों ने सोशल मीडिया पर उन्हें ढेर सारी शुभकामनाएं दीं। काजोल ने अपने मजाकिया अंदाज में अजय को जन्मदिन की बधाई दी, जो काफी मनोरंजक है। अपने संदेश में उन्होंने अपने खास अंदाज में उनकी उम्र का मजाक उड़ाते हुए लिखा कि उनके केक पर लगी मोमबत्तियां अब आग लगने का खतरा लग रही हैं। काजोल ने लिखा, एक समय ऐसा आता है जब केक पर लगी मोमबत्तियां जश्न की बजाय आग लगने का खतरा लगने लगती हैं। मुझे लगता है आप उस मुकाम पर पहुंच गए हैं। फिर भी जन्मदिन मुबारक हो। भगवान करे आपके पास हमेशा केक रहे।अजय ने काजोल के संदेश का जवाब बड़े ही प्यारे अंदाज में दिया। उन्होंने लिखा, हर खतरनाक जगह पर आपका साथ पाकर खुशी होती है।

अक्षय कुमार ने भी दी शुभकामनाएं

अक्षय कुमार ने भी सोशल मीडिया पर अजय को जन्मदिन की शुभकामनाएं दीं। अक्षय ने गोलमाल 5 के सेट से एक बिहाइंड द सीन तस्वीर शेयर की। तस्वीर में अक्षय अजय के गाल पर प्यार से किस करते नजर आ रहे हैं।अक्षय ने पोस्ट के कैप्शन में लिखा, दोस्ती इतनी पुरानी...प्यार तो होगा ही। जन्मदिन मुबारक हो प्यारे अजय देवगन। तीन दशकों से अधिक के करियर में अजय देवगन ने दमदार भूमिकाओं और

अजय के जन्मदिन पर पत्नी काजोल ने ले ली चुटकी

व्यावसायिक सफलताओं के मिश्रण से हिंदी सिनेमा में अपनी एक मजबूत जगह बनाई है। चाहे वो जख्म हो, कंपनी हो या ओमकारा, अभिनेता ने लगातार अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया है।

धमाल 4 में दिखेंगे अजय देवगन

अब अजय देवगन इंद्र कुमार द्वारा निर्देशित धमाल 4 में नजर आएंगे। फिल्म में रितेश देशमुख, अरशद वारसी, संजय मिश्रा, जावेद जाफरी, ईशा गुप्ता, संजीदा शेख, अंजली आनंद, उपेंद्र लिमये, विजय पाटकर और रवि किशन सहित कई कलाकार हैं। फिल्म का निर्माण अजय देवगन, भूषण कुमार, कृष्ण कुमार, अशोक ठकेरिया, इंद्र कुमार, आनंद पंडित और कुमार मंगत पाठक ने किया है। धमाल 4 लोकप्रिय धमाल फ्रेंचाइज़ की अगली कड़ी है। मूल धमाल, जो 2007 में रिलीज़ हुई थी, इंद्र कुमार द्वारा निर्देशित और अशोक ठकेरिया द्वारा निर्मित एक कॉमेडी फिल्म थी। उनके पास गोलमाल 5 भी है। अक्षय कुमार भी इस नए भाग का हिस्सा हैं।

खेल समाचार

इटली फुटबॉल में संकट,प्रेसीडेंट ग्रेविना ने दिया इस्तीफा

रोम,02 अप्रैल 2026। इटली के फुटबॉल फेडरेशन के प्रेसिडेंट ने गुरुवार को पॉलिटिकल प्रेशर के बीच इस्तीफा दे दिया। यह फैसला दो दिन पहले अज़ुरी के लगातार तीसरे वर्ल्ड कप के लिए क्वालिफ़ाई न कर पाने के बाद लिया गया। गैब्रिएल ग्रेविना के इस फैसले से इटली के कोच जेननारो गैटूसो को भी बाहर किया जा सकता है। ग्राविना के वर्ल्ड कप क्वालिफायर के दो निराशाजनक सेट देखने के बाद इटली के स्पोर्ट्स मिनिस्टर एंड्रिया अबोदी ने देश की फुटबॉल लीडरशिप में बदलाव की मांग की। मंगलवार को क्वालिफाइंग प्लेऑफ़ में बोस्निया और हर्ज़ेगोविना से पेनल्टी शूटआउट में हारने के बाद इटली के नॉर्थ अमेरिका में इस साल के टूर्नामेंट में पहुंचने के चांस खत्म हो गए

इम्पैक्टफुल रिजवी ने नाबाद फिफ्टी लगाई, जिससे दिल्ली कैपिटल्स ने एलएसजी को छह विकेट से हरा दिया

नई दिल्ली,02 अप्रैल 2026। समीर रिजवी ने अपनी प्रतिभा का भरपूर नमूना पेश किया,जो इम्पैक्ट सब्स्टीट्यूट के तौर पर उतरे,जिससे दिल्ली कैपिटल्स ने शुरुआती दिक्कतों के बावजूद लखनऊ सुपर जायंट्स को छह विकेट से हराकर आईपीएल में विजयी शुरुआत की। 142 रन के छोटे से लक्ष्य का पीछा करते हुए डीसी ने पहले पांच ओवर में 26 रन पर 4 विकेट गंवा दिए थे, लेकिन टी नटराजन की जगह आए रिजवी (47 गेंदों पर नाबाद 70) ने अनुभवी ट्रिस्टन स्टब्स (32 गेंदों पर नाबाद 39) के साथ पांचवें विकेट के लिए 119 रन की अटूट साझेदारी की और सिर्फ 17.1 ओवर में पूरे अंक सुनिश्चित किए। रिजवी ने अनुकरणीय परिपक्वता दिखाई क्योंकि उन्होंने पहले मोहम्मद शमी (4 ओवर में 1/28), मोहसिन खान (4 ओवर में 1/19) और प्रिंस यादव (3 ओवर में 2/20) के स्पैल का सामना किया। कुल

मिलाकर, उन्होंने पांच चौके और चार छक्के लगाए, जिससे सीमर-फ्रेंडली ट्रैक पर चेज़ बहुत आसान लग रहा था। एक बार जब उन्होंने एनरिक नोर्त्जे की गेंद पर कीपर के सिर के ऊपर से छक्का मारा, तो उन्होंने शुरुआत की। टर्निंग पॉइंट शाहबाज़ अहमद का अकेला ओवर था--डीसी की पारी का 10वां ओवर। रिज़वी ने उन्हें स्क्वायर के पीछे स्लॉग स्वीप किया,स्क्वायर लेग पर पुल किया और फाइन लेग की तरफ एक गेंद खेली, उस ओवर में 16 रन बने। उसके बाद, रिज़वी को कोई नहीं रोक सका,

सनराइजर्स हैदराबाद का मैच अजिंक्य रहाणे के लिए खास

200 के क्लब में मारी एंट्री...कोलकाता नाइट राइडर्स के कप्तान अजिंक्य रहाणे के आईपीएल में 200 मैच हो गए हैं। वह 200 या उससे ज्यादा मैच खेलने वाले 11 वें खिलाड़ी हैं...

कोलकाता,02 अप्रैल 2026। आईपीएल में केकेआर के कप्तान अजिंक्य रहाणे के 200 मैच हो गए हैं। कोलकाता नाइट राइडर्स आईपीएल 2026 के 5वें मुकाबले में सनराइजर्स हैदराबाद का सामना कर रही है। रहाणे केकेआर के कप्तान भी हैं। इस मैच के लिए मैदान पर आते ही आईपीएल में उनके 200 मैच पूरे हो गए हैं। 37 साल के रहाणे पहले सीजन से आईपीएल में हिस्सा ले रहे हैं।

अजिंक्य रहाणे 6 टीमों के लिए खेल चुके

2008 में अजिंक्य रहाणे ने मुंबई इंडियंस के लिए आईपीएल डेब्यू

किया था। 2010 सीजन में वह नहीं खेले थे। 2011 में वह राजस्थान रॉयल्स में गए। यहीं से उन्होंने अपनी पहचान बनाई। 2012 सीजन में रहाणे ने 16 मैचों में 560 रन ठोके थे। वह राइजिंग पुणे सुपर जायंट्स, दिल्ली कैपिटल्स के साथ ही चेन्नई सुपर किंग्स के लिए भी खेल चुके हैं। अभी वह केकेआर का हिस्सा हैं।

200 आईपीएल मैच खेलने वाले 11 खिलाड़ी रहाणे

अजिंक्य रहाणे आईपीएल में 200 मैच खेलने वाले 11वें खिलाड़ी बन गए हैं। चेन्नई सुपर किंग्स के महेंद्र सिंह धोनी ने सबसे ज्यादा 278 मुकाबले खेले हैं। लीग में 200 या उससे ज्यादा मैच खेलने वाले सभी खिलाड़ी भारत के ही हैं।

आईपीएल में अजिंक्य रहाणे का रिकॉर्ड

199 मैचों की 184 पारियों में अजिंक्य रहाणे के नाम 5099 रन हैं। उनका औसत 30.71 और स्ट्राइक रेट 125.43 का है। वह 34 फिफ्टी के साथ ही दो शतक लगा चुके हैं। उनकी सबसे बड़ी पारी 105 रनों की है। 2023 में रहाणे ने सीएसके के साथ आईपीएल का खिताब भी जीता था।

पूर्व खिलाड़ी अनिल कुंबले ने कप्तान शुभमन गिल पर जमकर निशाना साधा

नई दिल्ली,02 अप्रैल 2026। गुजरात टाइटन्स को आईपीएल 2026 के मैच में पंजाब किंग्स से शर्मनाक हार का सामना करना पड़ा, जिसके बाद भारत के पूर्व कप्तान अनिल कुंबले ने शुभमन गिल की लीडरशिप की आलोचना की है। कुंबले ने 13वें ओवर में पेसर प्रसिद्ध कृष्णा को लाने के लिए गिल की टैक्टिक्स पर सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि पिछले साल के पर्पल कैप विनर प्रसिद्ध कृष्णा को बहुत पहले खिलाना चाहिए था। 13वें ओवर में बॉलिंग करने के बावजूद,

प्रसिद्ध ने 3 विकेट लिए और सिर्फ 29 रन दिए। 163 रनों के टारगेट का पीछा करते हुए, पंजाब किंग्स के कूपर कोनोली ने अपने डेब्यू में नाबाद 72 रन बनाकर टीम को जीत दिलाई। आखिरकार, पीकेएस तीन विकेट से जीत गया। उन्होंने कहा, यह हैरानी की बात थी जब गुजरात टाइटन्स ने 13वें ओवर में पर्पल कैप जीतने वाले प्रसाद कृष्णा को लाया। पहला विकेट निश्चित रूप से किस्मत का खेल था। श्रेयस अय्यर के हाथ में ज़ोर से चोट लगी होगी, जिससे उनका कॉन्संट्रेशन कम हो गया होगा। उन्होंने कहा, बैटर ने अग्रेसिव शॉट खेलने की कोशिश की। लेकिन, उसने गेंद सीधे फील्डर के हाथ में मार दी। इससे आउट होने का चांस बढ़ गया।

ओपनर के तौर पर मैदान में उतरने के बावजूद लकी हैंड

नई दिल्ली,02 अप्रैल 2026। इंडियन प्रीमियर लीग सरप्राइज़ से भरा है। लखनऊ सुपर जायंट्स ने मयंक यादव को बेंच पर बिठाकर प्रिंस यादव को चुना, जिसे कई लोगों ने सबसे बड़े फ़ैसलों में से एक माना। LSG के कप्तान ऋषभ पंत

दिल्ली कैपिटल्स के ख़िलाफ़ पारी की शुरुआत करने वाले पहले खिलाड़ी थे, जिससे उनका 2026 कैंपेन शुरू हुआ। पिछले साल, LSG का सीज़न दो विदेशी ओपनर, मिशेल मार्श और एडेन मार्करम के साथ सफल रहा था। दोनों ने मिलकर 1,100 रन बनाए। मार्श ने 627 रन और मार्करम ने 445 रन बनाए। हालांकि, 2025 में पंत उम्मीद के मुताबिक परफॉर्म नहीं कर पाए। उस एडिशन में, उन्होंने नंबर 3, 4 और 7 पर बैटिंग की। हालांकि, इनमें से कोई भी उनके पक्ष में नहीं गया। पंत ने 13 इनिंग में सिर्फ़ 269 रन बनाए।

वीआईपी दौरे और प्रशासनिक कार्यक्रमों ने छीनी साप्ताहिक छुट्टी

न प्रतिपूरक अवकाश मिलता,न अतिरिक्त भुगतान-कर्मचारियों में बढ़ता असंतोष

कागजों में छुट्टी, हकीकत में ड्यूटी...अवकाश दिवस पर भी काम को मजबूर कर्मचारी

- रविवार भी नहीं आराम...प्रोटोकॉल ड्यूटी ने छीनी सरकारी कर्मचारियों की छुट्टी
- अवकाश या औपचारिकता? छुट्टी के दिन भी काम में जुटे शासकीय कर्मचारी
- वीआईपी दौरे पर भारी कर्मचारियों का अवकाश,नहीं मिलता कोई अतिरिक्त लाभ
- अवकाश दिवस पर बढ़ते प्रशासनिक कार्यक्रम,कर्मचारियों पर बढ़ा दबाव
- साप्ताहिक छुट्टी बन रही औपचारिकता,प्रोटोकॉल ड्यूटी से जूझ रहे कर्मचारी
- अवकाश और कार्य के बीच संतुलन बिगड़ा,व्यवस्था पर उठे सवाल
- सरकारी नौकरी या 24×7 सेवा? अवकाश बना मजाक
- प्रोटोकॉल के आगे बेबस अवकाशः छुट्टी के दिन भी काम करने को मजबूर कर्मचारी
- सरकारी कर्मचारियों की छुट्टी पर 'डाका',नहीं मिल रहा प्रतिपूरक लाभ
- अवकाश दिवस और प्रोटोकॉल ड्यूटी : कागजों में छुट्टी, हकीकत में काम का दबाव

-रवि सिंह-

सूरजपुर/रायपुर,02 अप्रैल 2026 (घटती-घटना)। कागजों में सप्ताह में दो दिन अवकाश और वर्षभर में तय छुट्टियों की व्यवस्था भले ही कर्मचारियों के हित में बनाई गई हो,लेकिन जमीनी हकीकत यह है कि छत्तीसगढ़ में बड़ी संख्या में शासकीय कर्मचारी ऐसे हैं जिनके लिए अवकाश सिर्फ कैलेंडर तक सीमित रह गया है और छुट्टी के दिन भी उन्हें प्रोटोकॉल ड्यूटी निभानी पड़ रही है। शासकीय कर्मचारियों को सप्ताह में दो दिन का अवकाश देने की व्यवस्था इस सोच के साथ लागू की गई थी कि कर्मचारी अपने शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य को संतुलित रख सकें,परिवार को समय दे सकें और बेहतर कार्यक्षमता के साथ शासन के कार्यों को पूरा कर सकें,इसके साथ ही वर्षभर में विभिन्न राष्ट्रीय पर्व,महापुरुषों की जयंती, धार्मिक त्यौहार और अन्य सामान्य अवकाश भी निर्धारित किए गए हैं, कागजों में यह व्यवस्था बेहद संतुलित और कर्मचारी हितैषी दिखाई देती है,लेकिन यदि जमीनी स्तर पर इसकी वास्तविकता को देखा जाए तो स्थिति इससे बिल्कुल उलट नजर आती है,प्रदेश में बड़ी संख्या में ऐसे शासकीय कर्मचारी हैं जिनके लिए अवकाश का मतलब सिर्फ कैलेंडर तक सीमित रह गया है।

सबसे अधिक प्रभावित विभाग

जनसंपर्क विभाग की चुनौती जनसंपर्क विभाग इस पूरे तंत्र का सबसे अधिक प्रभावित हिस्सा बनकर उभरा है, इस विभाग की जिम्मेदारी होती है कि वह सभी विभागों से जानकारी एकत्र कर उसे मीडिया तक पहुंचाए, लेकिन समस्या यह है कि अवकाश के दिन अधिकांश शासकीय कार्यालय बंद रहते हैं, ऐसे में जानकारी जुटाना कठिन हो जाता है,फिर भी जनसंपर्क अधिकारियों से त्वरित जानकारी की अपेक्षा की जाती है, इस विरोधाभासी स्थिति में जनसंपर्क अधिकारी लगातार दबाव में रहते हैं।

अवकाश दिवस पर बढ़ते प्रशासनिक कार्यक्रम

पिछले कुछ वर्षों में यह प्रवृत्ति तेजी से बढ़ी है कि प्रशासनिक और प्रोटोकॉल से जुड़े कार्यक्रम अवकाश के दिनों में ही आयोजित किए जाते हैं, मुख्यमंत्री, मंत्री या वरिष्ठ अधिकारियों के दौरे अक्सर शनिवार या रविवार को रखे जाते हैं, जिससे कर्मचारियों की साप्ताहिक छुट्टी स्वतः समाप्त हो जाती है, हाल ही में सूरजपुर जिले में मुख्यमंत्री के आगमन के दौरान रविवार को बड़े स्तर पर प्रशासनिक तैयारियां की गई, इस दौरान कलेक्ट्रेट, जनसंपर्क, राजस्व और अन्य विभागों के कर्मचारियों को पूरे दिन ड्यूटी करनी पड़ी, ऐसे उदाहरण सिर्फ एक जिले तक सीमित नहीं हैं, बल्कि पूरे प्रदेश में लगातार देखने को मिल रहे हैं।

कर्मचारियों की भूमिकाः सेवा या व्यवस्थापन?-

इन आयोजनों में कर्मचारियों की भूमिका केवल प्रशासनिक कार्यों तक सीमित नहीं रहती, उन्हें कार्यक्रम स्थल की तैयारी, मंच व्यवस्था, अतिथियों के स्वागत की व्यवस्था, भीड़ प्रबंधन, मीडिया समन्वय जैसे कार्यों में भी लगाया जाता है, ऐसी स्थिति में कई कर्मचारियों का मानना है कि वे शासकीय सेवा से अधिक 'इवेंट मैनेजमेंट' का कार्य कर रहे हैं, यह स्थिति तब और विचित्र हो जाती है जब कार्यक्रमों का स्वरूप पूरी तरह प्रशासनिक न होकर राजनीतिक महत्व का भी होता है।

कलेक्ट्रेट और मैदानी अमले की स्थिति

कलेक्ट्रेट कार्यालय और मैदानी अमले के कर्मचारियों को भी भारी दबाव का सामना करना पड़ता है,वीआईपी दौरे के दौरान व्यवस्थाओं की निगरानी,अधिकारियों के निर्देशों का पालन, स्थल निरीक्षण जैसे कार्य अवकाश दिवस पर भी करने पड़ते हैं, इन कर्मचारियों के लिए सप्ताहांत का कोई निश्चित अर्थ नहीं रह गया है।

क्या मिलता है अवकाश दिवस पर कार्य का लाभ?- यह सबसे महत्वपूर्ण और संवेदनशील प्रश्न है कि जब कर्मचारी अवकाश के दिन कार्य करते हैं,तो उन्हें क्या अतिरिक्त लाभ मिलता है? सैद्धांतिक रूप से कर्मचारियों को निम्न लाभ मिलना चाहिए प्रतिपूरक अवकाश,अतिरिक्त भत्ता या ओवरटाइम लेकिन व्यवहारिक स्तर पर स्थिति अलग है,कई कर्मचारियों का कहना है कि उन्हें कोई स्पष्ट आदेश नहीं दिया जाता, प्रतिपूरक अवकाश अक्सर नहीं मिल पाता, अतिरिक्त भुगतान की व्यवस्था लगभग नगण्य है,इस प्रकार कर्मचारी बिना किसी अतिरिक्त लाभ के अवकाश दिवस पर कार्य करने को विवश हो जाते हैं।

राजनीतिक और प्रशासनिक सीमाओं का धुंधलापन

अवकाश दिवस पर आयोजित कई कार्यक्रम ऐसे होते हैं जिनमें प्रशासनिक आवश्यकता से अधिक राजनीतिक महत्व दिखाई देता है, मंत्रियों और जनप्रतिनिधियों के स्वागत, मंच संचालन और भीड़ प्रबंधन जैसे कार्यों में कर्मचारियों की भागीदारी अनिवार्य कर दी जाती है, इससे यह सवाल उठता है कि क्या शासकीय कर्मचारी राजनीतिक आयोजनों का हिस्सा बनने के लिए बाध्य हैं? क्या प्रशासनिक तंत्र का उपयोग इस प्रकार किया जाना उचित है? यह स्थिति प्रशासनिक निष्पक्षता पर भी प्रश्नचिह्न खड़ा करती है।

स्वास्थ्य और पारिवारिक जीवन पर प्रभाव

लगातार बिना अवकाश काम करने का सीधा प्रभाव कर्मचारियों के स्वास्थ्य पर पड़ रहा है, मानसिक तनाव बढ़ रहा है, शारीरिक थकान स्थायी रूप ले रही है,पारिवारिक जीवन प्रभावित हो रहा है कई मामलों में कर्मचारियों में उच्च रक्तचाप,हृदय रोग और तनाव संबंधी समस्याएं बढ़ती देखी जा रही हैं,आज स्थिति यह हो गई है कि कई कर्मचारी खुद को शासकीय सेवा में नहीं, बल्कि किसी निजी कॉर्पोरेट संस्थान में कार्यरत महसूस करते हैं, जहां कार्य का दबाव अधिक और व्यक्तिगत समय सीमित होता है।

नीतियों और क्रियान्वयन के बीच अंतर

सरकार की नीतियों में कर्मचारियों के हितों का स्पष्ट उल्लेख होता है,लेकिन क्रियान्वयन के स्तर पर कई कमियां दिखाई देती हैं, अवकाश दिवस पर कार्यक्रमों की योजना बनाते समय कर्मचारियों के हितों पर विचार नहीं किया जाता,प्रतिपूरक अवकाश की व्यवस्था का पालन सुनिश्चित नहीं होता, जवाबदेही तय नहीं होने से स्थिति जस की तस बनी रहती है, इस अंतर के कारण कर्मचारियों में असंतोष बढ़ रहा है।

क्या कहते हैं कर्मचारी?

कई कर्मचारियों का कहना है कि अवकाश उनके लिए 'नाममात्र' का रह गया है, छुट्टी के दिन भी उन्हें फोन या आदेश मिल जाते हैं, परिवार के साथ समय बिताने का अवसर नहीं मिल पाता कुछ कर्मचारियों ने यह भी बताया कि लगातार दबाव के कारण वे मानसिक रूप से थक चुके हैं, लेकिन मजबूरी में कार्य करना पड़ता है।

समाधान की दिशा में आवश्यक कदम

स्थिति को सुधारने के लिए कुछ ठोस कदम उठाए जा सकते हैं...

1. **अवकाश दिवस पर कार्यक्रमों की सीमा तय हो**
   अत्यंत आवश्यक परिस्थितियों को छोड़कर अवकाश के दिन कार्यक्रम आयोजित न किए जाएं।
2. **प्रतिपूरक अवकाश अनिवार्य किया जाए**
   यदि कर्मचारी अवकाश दिवस पर कार्य करता है, तो उसे निश्चित रूप से बदले में अवकाश दिया जाए।
3. **अतिरिक्त भुगतान की व्यवस्था***
   अवकाश के दिन कार्य के लिए स्पष्ट ओवरटाइम या विशेष भत्ता निर्धारित किया जाए।
4. **कार्य का रोटेशन सिस्टम**
   सभी कर्मचारियों पर समान रूप से भार बांटा जाए, ताकि कुछ ही लोग लगातार प्रभावित न हों।
5. **जवाबदेही तय की जाए**
   यदि नियमों का उल्लंघन होता है, तो संबंधित अधिकारियों की जवाबदेही तय हो।

अवकाश का अधिकार या औपचारिकता?

शासकीय कर्मचारी शासन व्यवस्था की रीढ़ होते हैं,यदि उन्हें ही उनके मूल अधिकार–अवकाश–से वंचित किया जाएगा, तो इसका प्रभाव सीधे शासन की कार्यक्षमता पर पड़ेगा, आज आवश्यकता इस बात की है कि अवकाश को केवल औपचारिकता न मानकर उसे वास्तविक रूप से लागू किया जाए, कर्मचारियों को यह महसूस होना चाहिए कि उनकी मेहनत और उनके अधिकारों का सम्मान किया जा रहा है, अन्यथा 'अवकाश' केवल कागजों तक सीमित शब्द बनकर रह जाएगा और कर्मचारी लगातार बढ़ते दबाव के बीच अपने स्वास्थ्य और जीवन की गुणवत्ता से समझौता करने को मजबूर होते रहेंगे।

नए वित्तीय वर्ष में राज्य सरकार ने दी राहत

पेट्रोल-डीजल 1 रुपए तक सस्ता

रायपुर,02 अप्रैल 2026। नए वित्तीय वर्ष की शुरुआत के साथ राज्य सरकार ने पेट्रोल और हाईस्पीड डीजल पर वैट में कटौती लागू कर दी है। 1 अप्रैल से प्रभावी इस फैसले में टैक्स दरों में करीब 1% की कमी की गई है। इससे पेट्रोल-डीजल की कीमत में एक रुपए की कमी आएगी। वाणिज्यिक कर विभाग की अधिसूचना के मुताबिक पेट्रोल पर वैट अब 24% (साथ में 2 रुपए प्रति लीटर) और डीजल पर 23% (साथ में 1 रुपए प्रति लीटर) कर दिया गया है। पहले ये दरें लगभग 1% अधिक थीं। इस कटौती से पेट्रोल और डीजल की कीमतों में औसतन 0.70 से 1.20 रुपए प्रति लीटर तक की कमी आने का अनुमान है। आम उपभोक्ताओं के स्तर पर यह राहत ज्यादा असरदार नहीं दिखेगी। बाइक और कार चलाने वालों के लिए महीने भर में कुल बचत करीब 100 से 300 रुपए के बीच ही सीमित रहने की संभावना है। इसके पीछे वजह यह है कि ईंधन की कीमतों पर अंतरराष्ट्रीय बाजार और बेस प्राइस का प्रभाव ज्यादा रहता है, जिससे वैट में मामूली कटौती का असर सीमित हो जाता है। इसके उलट, सरकार ने उद्योगों के लिए बड़ा कदम उठाते हुए बल्क में डीजल खरीद पर वैट घटाकर सीधे 17% कर दिया है, जो पहले करीब 23-24% के बीच था। यानी बड़े उपभोक्ताओं को 4 से 6 रुपए प्रति लीटर तक सस्ता डीजल मिलेगा। यह राहत निर्माण, खनन और परिवहन सेक्टर के लिए अहम है, जहां डीजल लागत का प्रमुख हिस्सा होता है। इस फैसले से इंफ्रास्ट्रक्चर सेक्टर को सीधा फायदा मिलने की उम्मीद है। सड़क, पुल, रेलवे, डैम और अन्य बड़े प्रोजेक्ट्स की लागत घटेगी, जिससे उनकी रफ्तार बढ़ सकती है। खनन और मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर में भी लागत कम होने से उत्पादन और निवेश को बढ़ावा मिलने के संकेत हैं।

शराब घोटाला...भूपेश के बेटे चैतन्य और लखमा की पेशी

59 नए आरोपी भी हुए पेश,इसमें 28 आबकारी अधिकारी शामिल,दर्ज किए गए बयान

रायपुर,02 अप्रैल 2026। छत्तीसगढ़ शराब घोटाला मामले में ईडी की स्पेशल कोर्ट में पूर्व आबकारी मंत्री कवासी लखमा और पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के बेटे चैतन्य बघेल पेश हुए। इनके साथ 59 नए आरोपियों की भी पेशी थी। इसमें 28 आबकारी अधिकारी भी शामिल हैं। कोर्ट में सभी के बयान दर्ज किए गए। इस मामले में अब कुल 82 आरोपी बनाए गए हैं। एडवोकेट फैजल रिजवी ने बताया कि कोर्ट के सामने पहले से ही अभियोग पत्र पेश है। ईडी ने फाइनल अभियोग पत्र दाखिल किया है, जिसमें पहले 23 आरोपी थे, अब बढ़ाकर 82 कर दिए गए हैं। जांच के दौरान इन आरोपियों को गिरफ्तार नहीं किया गया था और बिना गिरफ्तारी के ही चार्जशीट पेश की गई है। अधिकतर आरोपियों ने धारा 88 के तहत आवेदन भी लगाया है। 3 दिन पहले ईओडब्ल्यू ने कार्रवाई करते हुए दो शराब निर्माता कंपनियों के खिलाफ कार्रवाई की थी। उनके ट्रक जब्त किए थे। इसके अलावा, शराब घोटाला केस में कांग्रेस प्रदेश कार्यालय राजीव भवन में कार्यरत अकाउंटेंट समेत 4 लोगों को पूछताछ के लिए ईओडब्ल्यू दफ्तर तलब किया गया था। उनसे कई घंटे तक पूछताछ की गई थी। शराब घोटाला मामले में जांच कर रही ईओडब्ल्यू- ईडी प्रदेश कांग्रेस कमेटी के कोषाध्यक्ष रामगोपाल अग्रवाल की तलाश कर रही है। वे पिछले कई सालों से फरार बताए जा रहे हैं। दोनों ही एजेंसी उनकी भूमिका को लेकर भी गंभीरता से जांच कर रही है और उनसे जुड़े दस्तावेजों की पड़ताल की जा रही है। शराब घोटाला मामले में ईडी जांच कर रही है। ईडी ने ष्ठक्क में स्नढ्ढक्र दर्ज कराई है। दर्ज स्नढ्ढक्र में 3200 करोड़ रुपए से ज्यादा के घोटाले की बात कही गई है। इस घोटाले में राजनेता,आबकारी विभाग के अधिकारी,कारोबारी सहित कई लोगों के खिलाफ नामजद FIR दर्ज है। ईडी ने अपनी जांच में पाया कि तत्कालीन भूपेश सरकार के कार्यकाल में IAS अफसर अनिल टुटेजा, आबकारी विभाग के एमडी AP त्रिपाठी और कारोबारी अनवर ढेबर के सिंडिकेट के जरिए घोटाले को अंजाम दिया गया था।

जग्गी हत्याकांड : अमित जोगी को सरेंडर का आदेश

सतीश जग्गी ने बताया सत्य की जीत, बोले- हनुमान जन्मोत्सव पर मुझे मिला न्याय

रायपुर,02 अप्रैल 2026। छत्तीसगढ़ के बहुचर्चित रामावतार जग्गी हत्याकांड मामले में बिलासपुर हाईकोर्ट ने 4 जून 2003 को रायपुर में हुए इस चर्चित हत्याकांड के मामले में अमित जोगी को सरेंडर करने का आदेश दिया है। चीफ जस्टिस रमेश सिन्हा की डिविजन बेंच ने सुनवाई के दौरान यह निर्देश देते हुए उन्हें तीन सप्ताह के भीतर आत्मसमर्पण करने को कहा। हाईकोर्ट के इस फैसले के बाद रामावतार जग्गी के परिवार ने इसे न्याय की दिशा में बड़ी जीत बताया है। रामावतार जग्गी के बेटे सतीश जग्गी ने अदालत के आदेश का स्वागत करते हुए कहा कि लंबे संघर्ष के बाद आखिरकार सत्य की जीत हुई है और हनुमान जयंती के दिन उन्हें न्याय का आशीर्वाद मिला है।

सतीश जग्गी बोले-आखिरकार सत्य की जीत हुई : हाईकोर्ट के आदेश के बाद मीडिया से बातचीत में सतीश जग्गी ने भावुक प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा कि यह सिर्फ एक कानूनी आदेश नहीं, बल्कि उनके परिवार के लिए लंबे संघर्ष के बाद मिली बड़ी राहत है। सतीश जग्गी ने कहा कि उन्होंने कभी उम्मीद नहीं छोड़ी और उन्हें हमेशा भरोसा था कि सच एक दिन जरूर सामने आएगा। उन्होंने इस फैसले को 'सत्य की जीत' बताया और कहा कि हनुमान जयंती के दिन आया यह आदेश उनके लिए विशेष महत्व रखता है।

हनुमान जयंती के दिन फैसले को बताया आशीर्वाद : सतीश जग्गी ने कहा कि हनुमान जन्मोत्सव के दिन आया यह फैसला उनके लिए भावनात्मक रूप से बेहद खास है। उन्होंने कहा कि आज के दिन उन्हें न्याय मिला है और इसे वह भगवान हनुमान की विशेष कृपा मानते हैं।

पिकअप में छिपाकर ले जा रहे 2.14 करोड़ की अफीम पोस्त के साथ दो तस्कर गिरफ्तार

महासमुंद,02 अप्रैल 2026। एन्टी नारकोटिक टास्क फोर्स ने मादक पदार्थ तस्करी के खिलाफ अब तक की सबसे बड़ी कार्रवाई करते हुए दो अंतरराज्यीय तस्करों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने NH-53, रेहटीखोल के पास नाकाबंदी कर पिकअप वाहन (HR46 F 4848) को रोकते हुए 1432 किलो अफीम पोस्त और दो मोबाइल फोन जब्त किए। अफीम की अनुमानित कीमत 2.14 करोड़ रुपये बताई जा रही है, जबकि वाहन और मोबाइल की कीमत मिलाकर कुल 2.25 करोड़ रुपये बताई जा रही है। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान हरविंदर सिंह और सत्यवान वाल्मीकि (दोनों करनाल, हरियाणा) के रूप में हुई है। पूछताछ में आरोपियों ने स्वीकार किया कि अफीम झारखंड के गुमला से रायपुर की ओर ले जाई जा रही थी। दोनों आरोपियों पर एनडीपीएस एक्ट की धारा 18(ख) के तहत मामला दर्ज किया गया है और उन्हें न्यायिक रिमांड पर भेज दिया गया है।

प्रकाशक,मुद्रक,स्वामी अविनाश कुमार सिंह के द्वारा सांई ऑफसेट प्रिंटर्स,नमनाकला,संत हरकेवल विद्यापीठ के पास,अम्बिकापुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-अविनाश कुमार सिंह* (पी.आर.बी.कानून के अनुसार संपूर्ण संपादकीय दायित्व के लिए जिम्मेदार)
RNI Reg.No.CHHHIN/2004/15050,डॉक रजिस्टर्ड क्र.:-13/सरगुजा/डीएन/2026-2028-मो. 94062-23001,98265-32611,Email:ghatatighatana11@ gmail.com,Website:www.ghatatighatana.com, (सभी विवादों का न्याय क्षेत्र अम्बिकापुर न्यायालय मान्य होगा)